# iz’u i=&5 % mPp ys[kkadu

Hkkx %& uoEcj] 2016 dh ijh{kk esa ykxw gksus ;k u ykxw gksus dk n’kkZrh mn?kks"k.kk;s

**(A)** uoEcj] 2016 dh ijh{kk esa ykxw

¼**i**½ dEiuh vf/kfu;e] 2013

30 अप्रैल, 2016 तक कम्पनी अधिनियम, 2013 में संबंधित धाराओं में परिवर्तन अधिसूचित किये गये हैं जो नवम्बर, 2016 की परीक्षा में लागू होंगे।

¼**ii**½ oS/kkfud rjyrk vuqikr ¼**SLR**½ dk vuqj{k.k

अधिसूचना संख्या DBR. No. Ref. B.C. 64/12.01.001 2015-16 दिनांक 10 दिसम्बर, 2015 के अनुसार अनुसूचित व्यापारियों बैंकों, स्थानीय क्षेत्र के बैंकों प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों ($UCB_s$), राज्य के सहकारी बैंकों तथा केन्द्रीय सहकारी बैंकों में वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) अपने शुद्ध मांग एवं समय दायित्य (NDTL) 21.5 प्रतिशत से

(i) 21.25 प्रतिशत 2 अप्रैल, 2016 से

(ii) 21.00 प्रतिशत 9 जुलाई, 2016 से

(iii) 20.75 प्रतिशत 1 अक्टूबर, 2016 से तथा

(iv) 20.50 प्रतिशत 7 जनवरी, 2017 से

यह कुल शुद्ध मांग एवं समय दायित्व भारत में पिछले शुक्रवार के द्वितीय पखवारे से रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर निर्धारित मूल्यांकन विधि से लागू होगा।

विद्यार्थी ध्यान दे कि नवम्बर 2016 की परीक्षा में SLR 21.25% लागू होगा।

¼**iii**½ jksdM+ lap; vuqikr ¼CRR½ dk vuqj{k.k

भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचितय व्यापारिक बैंकों के रोकड़ संचय अनुपात (CRR) को 25 बिन्दु से कम करने का निर्णय लिया जो कि 'kq) ekax ,oa le; nkf;Ro ¼NDTL½ dk 4-25 izfr'kr ls 4 izfr'kr gksxk जो विज्ञप्ति सं0– DBOD No. Ref. BC. 76/12.01.001/2012-13 दिनांक 29 जनवरी, 2013 द्वारा 09 फरवरी, 2013 को शुरू होने वाले पखवारे से प्रभावी होगा। स्थानीय क्षेत्र के बैंक भी अपनी शुद्ध मांग एवं समय दायित्व

© The Institute of Chartered Accountants of India

का 3% रोकड़ संचय अनुपात दिनांक 8 फरवरी, 2013 तक एवं 9 फरवरी, 2013 से शुरू होने वाले पखवारे से अपनी शुद्ध मांग एवं दायित्व का 4 प्रतिशत बनाये रखने का निर्वहन करेंगे।

**(B)** uoEcj] 2016 dh ijh{kk esa ykxw u gksus okys

¼**i**½ **Ind NS$_s$** ¼f}rh; ys[kk ekud½ uoEcj] 2016 dh ijh{kk esa ykxw ugha gksxsA

निश्चित वर्ग की कम्पनी में अनुपालन के लिये कम्पनी मामलों के मंत्रालय ने 16 फरवरी, 2015 को कम्पनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 को अधिसूचित किया है। इसलिये Ind AS नवम्बर, 2016 की परीक्षा में लागू नहीं होगें।

¼**ii**½ dEiuh ekeyksa ds ea=ky;k **(MCA)** }kjk dEiuh ¼ys[kk ekud½ fu;e 2006 vkSj dEiuh ¼Hkkjrh; ys[kkekud½ fu;e] 2015 ds ifjorZu@la'kks/ku ykxw u gksus ds lEcU/k esaA

कम्पनी मामलों के मंत्रालय (MCA) द्वारा कम्पनी के (लेखा मानक) नियम, 2006 तथा कम्पनी के (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 में 30.03.2016 को संशोधन किये गये हैं वे नवम्बर, 2016 की परीक्षा में लागू नहीं होंगे।

# Hkkx& **II** % iz'u ,oa mRrj

## प्रश्न

## lk>snkjh [kkrs

### lk>snkjh QeZ dk fo?kVu

1. एक साझेदारी फर्म का विघटन 30 जून, 2016 को हुआ था। विघटन की तिथि पर साझेदार का आर्थिक चिट्ठा निम्न था :

| nkf;Ro | jkf'k | jkf'k | lEifRr;k¡ | jkf'k |
|---|---|---|---|---|
| पूंजी : | | | रोकड़ | 10,800 |
| अ | 76,000 | | विविध सम्पत्तियां | 1,89,200 |
| ब | 48,000 | | | |
| स | 36,000 | 1,60,000 | | |
| ऋण खाता– ब | | 10,000 | | |
| विविध लेनदार | | 30,000 | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 2,00,000 | | 2,00,000 |

सम्पत्तियां की वसूली किस्तों में हुई थी तथा भुगतान पूंजी के अनुपात के आधार पर किया गया। लेनदारों का पूर्ण निस्तारण 29,000 रू0 में किया गया। वसूली का अनुमानित व्यय 5,400 रू.0 था परन्तु वास्तव में 4,000 रू0 खर्च हुये। 15 सितम्बर को राशि का भुगतान किया गया। निम्न प्रकार से प्राप्त रोकड़ के वितरण के लिये एक विवरण पत्र बनाइये।

| | रू. |
|---|---:|
| 5 जुलाई, 2016 | 25,200 |
| 30 अगस्त, 2016 | 60,000 |
| 15 सितम्बर, 2016 | 80,000 |

साझेदार 2:2:1 के अनुपात में लाभ हानि का विभाजन करते हैं। 'उच्चतर सम्बन्धित पूंजी' पद्धति के आधार पर एक विवरण पत्र बनाइए, जिसमें साझेदारों में रोकड़ वितरण को दिखाना है।

lk>nkjh Qeksa dk ,dhdj.k

2. मैसर्स विनोद एण्ड कम्पनी में विनोद एवं राज साझेदार हैं। इनका लाभ हानि अनुपात 3:1 है तथा राज एवं कुमार मैसर्स राज एण्ड कम्पनी में साझेदार हैं दोनों का लाभ हानि अनुपात 2:1 है। 31 मार्च, 2016 को इन लोगों ने एकीकरण का निश्चय करते हुए एक नई फर्म मैसर्स वी0आर0के0 एण्ड कम्पनी बनाने का निश्चय किया। जिसमें विनोद, राज एवं कुमार का लाभ हानि अनुपात 3:2:1 होगा। उक्त तिथि को दोनों फर्मों का आर्थिक चिटठा निम्न हैं :

| nkf;Ro | foukn ,.M dEiuh | jkt ,.M dEiuh | lEifRr;k | foukn ,.M dEiuh | jkt ,.M dEiuh |
|---|---:|---:|---|---:|---:|
| पूंजी : | | | LFkk;h | | |
| विनोद | 9,60,000 | – | lEifRr;k | 2,00,000 | – |
| राज | 6,40,000 | 8,00,000 | भवन | 6,00,000 | 6,40,000 |
| कुमार | – | 4,00,000 | मशीनरी | 80,000 | 2,40,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | फर्नीचर | | |
| संचय | 2,00,000 | 6,00,000 | pkyw lEifRr;k | | |
| लेनदार | 4,80,000 | 4,64,000 | | | |
| | | | स्टॉक | 4,80,000 | 5,60,000 |
| | | | देनदार | 6,40,000 | 8,00,000 |
| विनोद कम्पनी का बकाया | — | 4,00,000 | बैंक में रोकड़ | 1,20,000 | 3,60,000 |
| | | | हाथ में रोकड़ | 80,000 | 40,000 |
| बैंक ऋण | 3,20,000 | — | राज कम्पनी से बकाया | 4,00,000 | — |
| | | | अग्रिम | — | 2,40,000 |
| | 26,00,000 | 26,64,000 | | 26,00,000 | 26,64,000 |

एकीकृत फर्म ने निम्न शर्तों पर व्यापार को लिया।

(अ) विनोद एण्ड कम्पनी के भवन का मूल्यांकन 4,00,000 रू. में किया गया।

(ब) विनोद एण्ड कम्पनी की मशीन का मूल्यांकन 9,00,000 रू0 एवं राज एण्ड कम्पनी का 8,00,000 रू. में किया गया।

(स) विनोद एण्ड कम्पनी की ख्याति का मूल्यांकन 2,00,000 रूपया तथा राज एण्ड कम्पनी का 1,64,000 रू0 किया गया परन्तु इसको बी0आर0के0 एण्ड कम्पनी की पुस्तकों में नहीं दिखाया जायेगा।

(द) नई फर्म के साझेदार अपने लाभालाभ अनुपात के आधार पर पूंजी के समायोजन के लिये आवश्यक धनराशि नकद में लायेंगे तथा अन्य साझेदारों को वितरित करेंगे।

मैसर्स बी0आर0के0 एण्ड कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल लेखे बनाइये तथा 31.03.2016 को आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

## lk>snkjh Qeksa dk dEiuh esa ifjorZu

3. व्याापर में अ,ब एवं स का लाभ हानि का अनुपात क्रमशः 3:2:1 है। 31 मार्च, 2016 को आर्थिक चिट्ठा निम्न है!

© The Institute of Chartered Accountants of India

| दायितव | | सम्पत्तियाँ | |
|---|---|---|---|
| | | ख्याति | 10,000 |
| पूंजी खाते : | | भूमि | 20,000 |
| अ | 70,000 | भवन | 110,000 |
| ब | 80,000 | मशीनरी | 50,000 |
| स | 10,000 | मोटर कार | 28,000 |
| सामान्य संचय | 18,000 | फर्नीचर | 12,000 |
| | | विनियोग | 18,000 |
| विनियोग उच्चावचन कोष | 4,000 | खुले औजार | 7,000 |
| ऋण–स | 33,000 | स्टॉक | 18,000 |
| मैसर्स 'अ' का ऋण | 15,000 | प्राप्य बिल | 20,000 |
| | | देनदार : | |
| लेनदार | 96,000 | 40,000 | |
| देय बिल | 14,000 | घटाईयेः प्रावधान 2,000 | 38,000 |
| बैंक अधिविकर्स | 60,000 | रोकड़ | 1,000 |
| | | स का चालू खाता | 56,000 |
| | | लाभ हानि खाता | 12,000 |
| | 400,000 | | 400,000 |

साझेदारों ने फर्म को कम्पनी में बदलने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य के लिये 10,00,000 रूपये की अधिकृत पूंजी से ए0बी0सी0 लिमिटेड कम्पनी का निर्माण किया गया जो 100 रू0 वाले समता अंशों में विभक्त है। जिसमें निम्नलिखित शर्तों के आधार पर फर्म ने कम्पनी को आर्थिक चिट्ठा तिथि पर विक्रय किया!

(i) कम्पनी ने मोटर कार, फर्नीचर, विनियोग, खुले औजार देनदारों एवं रोकड़ को नहीं लिया है।

(ii) कम्पनी ने देय बिल एवं बैंक अधिविकर्स के दायित्व को स्वीकार किया है।

(iii) 1,95,500 रू. क्रय मूल्य निर्धारित किया गया जिसका भुगतान 75,500 रूपया नकद तथा शेष राशि कम्पनी 100 रू0 वाले पूर्णदत्त अंशों में करेगी।



© The Institute of Chartered Accountants of India

(iv) बची हुई सम्पत्तियों एवं दायित्वों को फर्म द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निम्न विवरण के आधार पर निपटारा किया गया :

अ द्वारा विनियोग को 13,000 रू0 में स्वीकार किया। सम्पूर्ण देनदारों से 20,000 रू0, मोटर कार, फर्नीचर, एवं खुले औजार से क्रमशः 24,000, 4,000 एवं 1,000 रू0 आयेगें। अ अपनी पत्नी के ऋण के भुगतान के लिए तैयार हो गया। लेनदारों के पूर्ण निस्तारण के लिए 94,000 रू0 का भुगतान किया गया। वसूली व्यय 500 रू0।

(v) क्रेता कम्पनी से प्राप्त अंशों को साझेदारों में लाभ हानि अनुपात में बांटा जायेगा।

आपसे अपेक्षा है कि आवश्यक खाते बनाइये।

lk>snkjh QeZ dk foØ;

4. मोहित, नील एवं ओम साझेदार हैं जिनका लाभ हानि अनुपात क्रमशः 5:3:2 है। 31 मार्च, 2016 पर फर्म का आर्थिक चिट्ठा निम्न है :

| विवरण | ¼: 0½ | ¼: 0½ |
|---|---:|---:|
| मशीन की लागत | 2,00,000 | – |
| स्कन्ध | 1,37,400 | – |
| व्यापारिक प्राप्य | 1,24,000 | – |
| व्यापारिक देय | – | 1,69,400 |
| पूंजी खाते : | | |
| मोहित | – | 1,36,000 |
| नील | – | 90,000 |
| ओम | – | 46,000 |
| आहरण खाता : | | |
| मोहित | 50,000 | |
| नील | 46,000 | |
| ओम | 34,000 | |
| मशीन पर ह्रास | – | 80,000 |
| वर्ष 31 मार्च के अन्त में लाभ | – | 2,48,600 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| बैंक में रोकड़ | 1,78,600 | – |
| | 7,70,000 | 7,70,000 |

उपरोक्त तलपट बनाते समय वर्ष के प्रारम्भ में साझेदार के पूंजी खाते के शेष पर 10% ब्याज का भुगतान जो किया जाता है वो नहीं किया गया है। साझेदारी फर्म का अधिग्रहण करने के लिये उपरोक्त तिथि को एम0एन0ओ0 प्राइवेट कम्पनी का निर्माण किया गया। जिसकी अधिकृत पूंजी 2,00,000 अंश 10 रू0 के विभिन्न वर्ग के अंशों में विभाजित है।

आपको निम्नलिखित सूचनायें प्रदान की जाती है :

(i) मशीन का हस्तान्तरण 1,40,000 रू0।

(ii) साझेदारों को कम्पनी के अंशों को सम मूल्य पर साझेदारों की पूंजी के बराबर उसी सख्या एवं प्रकार का अंश निर्गमित किया जायेगा तथा ब्याज का बंटवारा तथा लाभ हानि साझेदारी के अनुपात में किया जायेगा।

(iii) व्यापार हस्तान्तरण के पूर्व साझेदारों की इच्छा साझेदारी के लाभों को निकालने की है जिससे बैंक शेष 1,00,000 रू0 तक घट जावे। इस उद्देश्य के लिये, पर्याप्त लाभ को लाभ हानि अनुपात में रखा जायेगा।

(iv) उपरोक्त तिथि को मशीन एवं बैंक के अतिरिक्त सम्पत्तियों एवं दायित्वों को पुस्तक मूल्य पर हस्तान्तरण किया गया।

आपसे निम्नलिखित तैयार करना अपेक्षित है :

(अ) प्रत्येक साझेदारों को कम्पनी के प्रत्येक वर्ग के अंशों के निर्गमन का विवरण पत्र।

(ब) साझेदारों के विघटन पर पूंजी खाता सभी समायोजनों को शामिल करते हुए।

(स) साझेदारी के अधिग्रहण एवं अंशों के निर्गमन के तुरन्त बाद का कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

## de'pkjh LVkd fodYi ;kstuk

5. कनिका लिमिटेड आपको निम्न सूचना देते हैं :

| | |
|---|---|
| कर्मचारियों की संख्या | 2500 |
| प्रत्येक कर्मचारी को प्रदान किये गये विकल्प की संख्या | 500 |
| स्वामित्व अधिकार अवधि | 4 वर्ष |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | |
|---|---|
| बाजार दशाओं के अतिरिक्त स्वामित्व का अधिकार मिलने की शर्तों को न पूरा करने वाले अनुमानित कर्मचारियों की संख्या | |
| 1 वर्ष | 20% |
| 2 वर्ष | 15% |
| 3 वर्ष | 10% |
| 4 वर्ष | 10% |
| विकल्प के प्रति अंशों का उचित मूल्य | 5 रूपया |
| प्रयोग का मूल्य | 50 रूपया |
| प्रयोग की अवधि | 3 वर्ष |
| प्रत्येक अंशों का अंकित मूल्य | 10 रूपया |

तीसरे वर्ष के अन्त में स्वामित्व का अधिकार मिलने की सभी शर्तो को पूरा करने का पुनः अनुमान किया गया तथा बाद में कोई अतिरिक्त स्वामित्व का अधिकार मिलने की शर्तों की आवश्यकता नहीं है। 600 कर्मचारियों ने चौथे वर्ष के अन्त में अपने विकल्प का प्रयोग किया तथा पांचवे वर्ष के अन्त में 800 कर्मचारियों ने विकल्प तथा छठवें वर्ष के अन्त में 100 कर्मचारियों ने अपने विकल्प का प्रयोग किया। छठवें वर्ष के अन्त में 30 कर्मचारियों द्वारा विकल्प का प्रयोग न करने के कारण समाप्त हो गया।

आप प्रथम तीन वर्षों के लिये आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये।

i;frHkkfr;k dk iqu% Ø; ¼okilh½

6. उमेश लि0 10 रू0 वाले 4 लाख अंशों को 22 रू0 प्रति अंश पर पुनः क्रय करना चाहती है। इस उद्देश्य के लिये 1 लाख 11% पूर्वाधिकार अंशों का 10 रू0 प्रति अंश के दर से सम मूल्य पर निर्गमन करती है। कुल मूल्य आवेदन पर देय है। कम्पनी अपने प्रतिभूतियों के प्रीमियम खाते से 16 लाख रू0 का प्रयोग करती है। इसके अतिरिक्त सामान्य संचय में पर्याप्त शेष, पुनः क्रय से संबंधित कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये।

उपर्युक्त व्यवहार के लेखे के लिये आवश्यक जर्नल प्रवृष्टियाँ कीजिये।

_.k i=k dk 'kks/ku

© The Institute of Chartered Accountants of India

7. सौम्या लिमिटेड हाल में एक सार्वजनिक निर्गमन लाये हैं जिसके सम्बन्ध में निम्न सूचनायें उपलब्ध हैं :

(अ) 2,00,000 अंशतः परिवर्तनशील ऋणपत्रों का निर्गमन किया गया जिसका अंकित मूल्य एवं निर्गमन मूल्य 100 रू0 प्रति ऋणपत्र है।

(ब) 60% हिस्सा प्रति ऋणपत्र परिवर्तनीय है। निर्गमन के बन्द होने की तिथि से 6 महीने बाद परिवर्तनीय होगा।

(स) प्रार्थिक (Subscription) लिस्ट समाप्त होने की तिथि 01.05.2015 थी, आवंटन की तिथि 01.06.2015, आवंटन तिथि से ऋणपत्रों पर ब्याज 15% की दर से देय है। परिवर्तन के उद्देश्य से समता अंशों का मूल्य 60 रूपया (अंकित मूल्य 10 रूपया)।

(द) अभिगोपन कमीशन 2%।

(ब) 1,50,000 ऋणपत्रों के आवेदन प्राप्त हुये।

(र) ऋणपत्रों पर प्रति छमाही 30 सितम्बर तथा 31 मार्च को ब्याज देय है।

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये उपरोक्त व्यवहारों के लिये जो भी आवश्यक हो जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये (रोकड़ एवं बैंक सहित)

## dEifu;k dk ,dhdj.k

8. 31 मार्च 2016 को अ लिमिटेड का संक्षिप्त आर्थिक चिट्ठा निम्न है:

| nkf;Ro | | lEifRr;k | |
|---|---|---|---|
| 8000 समता अंश 100 रू0 प्रति अंश | 8,00,000 | भवन | 3,40,000 |
| 10% ऋणपत्र | 4,00,000 | मशीनरी | 6,40,000 |
| ऋण | 1,60,000 | स्कन्ध | 2,20,000 |
| व्यापारिक देय | 3,20,000 | व्यापारिक प्राप्य | 2,60,000 |
| सामान्य संचय | 80,000 | बैंक | 1,36,000 |
| | | ख्याति | 1,30,000 |
| | | अंश निर्गमन व्यय | 34,000 |
| | 17,60,000 | | 17,60,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

निम्नलिखित शर्तों पर 'ब' लिमिटेड 'अ' को विलय करने के लिये सहमत हो गयी :

1. 'ब' लिमिटेड बैंक शेष को छोड़कर समस्त सम्पत्तियों को पुस्तक मूल्य से 10% कम पर लेने को सहमत हुई। ख्याति का मूल्यांकन क्रय के आधार पर 4 वर्षों के अधिलाभ पर किया जायेगा। यह मानते हुए कि सामान्य प्रत्याय की दर 8% अंशपूंजी एवं सामान्य संचय के संयुक्त मूल्य पर है।
2. 'ब' लिमिटेड ने व्यापारिक देय को पुस्तक मूल्य पर लिया है।
3. 6,00,000 रू. तक क्रय मूल्य का भुगतान नकद में किया जायेगा तथा शेष राशि का भुगतान 100 रू0 वाले पूर्णप्रदत्त समता अंश को 125 रू0 प्रति अंश की दर से किया गया।

   औसत लाभ 1,24,400 रू0 है। समापन व्यय 16,000 रूपया है। 31 मार्च, 2015 से पूर्व 'ब' लिमिटेड ने 'अ' लिमिटेड को 1,20,000 लागत का माल 1,60,000 रू0 में विक्रय किया। 31 मार्च, 2015 को 'अ' लिमिटेड के स्कन्ध में 1,00,000 रू0 का माल है। 'अ' लि0 के व्यापारिक देय में 40,000 रू0 'ब' लिमिटेड का देय शामिल है। 'अ' लिमिटेड की पुस्तकों को बन्द करने के लिये आवश्यक खाते बनाइये। अधिग्रहण के बाद 1 अप्रैल, 2016 को 'ब' लिमिटेड का आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

## dEiuh dk vkUrfjd iqufuekZ.k

9. मैसर्स आइस लिमिटेड का 31.03.2016 को संक्षिप्त आर्थिक चिट्ठा नीचे दिया गया है!

| nkf;Ro | | lEifRr;k¡ | |
|---|---|---|---|
| 1,00,000 पूर्णप्रदत्त समता अंश 10 प्रति वाले | 10,00,000 | स्वकीय सम्पत्तियां | 5,50,000 |
| | | प्लाण्ट एवं मशीन | 2,00,000 |
| 4,000 8% पूर्वाधिकार पूर्णप्रदत्त अंश 100 रू0 वाले | 4,00,000 | व्यापारिक विनियोग (लागत मूल्य पर) | 2,00,000 |
| 6% ऋण 400000 (स्वकीय सम्पत्ति द्वारा सुरक्षित) | | व्यापारिक प्राप्य | 4,50,000 |
| | | व्यापारिक स्कन्ध | 3,00,000 |
| एरियर ब्याज 24000 | 4,24,000 | लाभ हानि खाता | 5,25,000 |
| व्यापारिक देय | 1,01,000 | | |
| निदेशक का ऋण | 3,00,000 | | |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 22,25,000 | | 22,25,000 |

सम्मानित अंशधारियों के सहमति से कम्पनी के संचालक मण्डल ने निम्नलिखित पुनर्निर्माण की योजना बनाई है :

1. पूर्वाधिकार अंश 80 रू0 तक तथा समता अंश 2 रू0 तक अपलिखित किया जायेगा।
2. 3 वर्षों के लाभांश बकाया का 2/3 भाग त्याग कर दिया जायेगा तथा शेष 1/3 भाग के लिये 2 रू0 वाले समता अंश का आवंटन किया जायेगा।
3. ऋणपत्रधारी अपने आंशिक भुगतान में 3,00,000 रू0 पुस्तक मूल्य की स्वकीय सम्पत्ति लेने के लिये सहमत है। शेष ऋणपत्र कम्पनी के दायित्व होंगे।
4. बकाया ऋणपत्रों के ब्याज का नकद में भुगतान होगा।
5. शेष स्वकीय सम्पत्ति का मूल्यांकन 4,00,000 रू0 होगा।
6. विनियोगों को 2,50,000 रू0 में बेचा गया।
7. संचालकों के ऋण का 75% त्याग किया गया तथा शेष के लिये 2 रू0 वाले समता अंशों का आवंटन किया जायेगा।
8. व्यापारिक प्राप्य का 40%, स्कन्ध का 80% तथा लाभ हानि खाते के डेबिट शेष का 100% अपलिखित किया जायेगा।
9. कम्पनी अपने 6,00,000 रू0 मूल्य के प्रंसिविदा दायित्व को ठेका मूल्य के 5% जुर्माना देकर निपटारा किया जायेगा।

आन्तरिक पुनर्निर्माण को प्रभावित करने वाले लेखों के लिये जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये तथा योजना के प्रभाव के बाद का आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

## dEiuh dk lekiu

10. 'वी' लिमिटेड कम्पनी से सम्बन्धित निम्नलिखित सूचनायें है जिसका ऐच्छिक समापन होना है!

अंश पूंजी निर्गमन :

5,000 पूर्णप्रदत्त पूर्वाधिकार अंश 100 रू0 वाले

25,000 पूर्णप्रदत्त समता अंश 10 रूपया वाले

15,000 समता अंश 10 रू0 वाले 6 रू0 चुकता



© The Institute of Chartered Accountants of India

अंशत सुरक्षित लेनदारों के लिये सुरक्षित प्रतिभूतियों के विक्रय को छोड़कर सम्पत्तियों का वसूली मूल्य 10,00,000 रूपया।

| | |
|---|---|
| पूर्वाधिकार लेनदार | 25,000 |
| असुरक्षित लेनदार | 900,000 |
| आंशिक सुरक्षित लेनदार (सम्पत्तियों से वसूली 1,60,000) | 1,75,000 |
| ऋणपत्रधारी जिनका कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों पर फ्लोटिंग चार्ज है। | 3,00,000 |
| समापन के व्यय | 5000 |

आंशिक समता अंशधारियों से 2 रूपया प्रति अंश याचना की गयी। एक अंशधारी जिसके पास 500 अंश को छोड़कर सभी अंशधारियों से भुगतान प्राप्त हो गया।

आपको निस्तारक का विवरण पत्र बनाना जिसमें याचना राशि को छोड़कर सभी सम्पत्तियों के वसूली पर @ 2½% की दर से निस्तारक का पारिश्रमिक दिया जाता है एवं पूर्वाधिकार लेनदारों को शामिल करते हुए असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की गयी राशि पर 2% कमीशन दिया जाता है।यह भी गणना कीजिये की कुल असुरक्षित लेनदारों का कितना प्रतिशत असुरक्षित लेनदारों को भुगतान किया गया है।

## chek dEifu;ksa dk foRrh; fooj.k i=

11. 31 मार्च, 2016 को लाल बीमा कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में अग्नि बीमा के सम्बन्ध में निम्न सूचनायें है :

| | राशि |
|---|---|
| 31 मार्च, 2015 को असमाप्त जोखिम के लिये संचय | 10,00,000 |
| 31 मार्च, 2015 को असमाप्त जोखिम के लिये अतिरिक्त संचय | 2,00,000 |
| प्रीमियम | 22,40,000 |
| दावों का भुगतान | 12,80,000 |
| अदत्त दावों के सम्बन्ध में अनुमानित दायित्व : | |
| 31 मार्च, 2015 को | 1,30,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | |
|---|---|
| 31 मार्च, 2016 को | 1,80,000 |
| प्रबन्ध के व्यय (दावों के सम्बन्ध में 60,000 कानूनी व्यय शामिल है) | 5,60,000 |
| ब्याज और लाभांश | 1,28,500 |
| उपरोक्त पर आयकर | 13,040 |
| विनियोगों के बिक्री पर लाभ | 22,000 |
| कमीशन का भुगतान | 3,04,000 |

31 मार्च, 2015 को 11,20,000 रू0 असमाप्त जोखिम के लिए तथा 1,50,000 अतिरिकत संचय के लिये प्रदान किया गया।

आपकों 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये आई0आर0डी0ए0 के नियमों के अनुसार अग्नि बीमा आगम खाता बनाइये।

## cfdx dEifu;k d foRrh; fooj.k

12. 31 दिसम्बर, 2015 को PT बैंक लिमिटेड के तलपट से निम्न सारांश दिया गया है :

| विवरण | डेबिट (रू.) | क्रेडिट (रू.) |
|---|---|---|
| भुनाये गये विनिमय विपत्र | 6,32,000 | – |
| भुनाये गये विनिमय विपत्रों पर छूट (01.01.15) | – | 4,170 |
| वर्ष के लिये छूट प्राप्त | | 42,956 |

भुनाये हुये विनिमय विपत्रों का विश्लेषण नीचे दिखाया गया है :

| राशि (रू.) | 2016 में देय तिथि | कटौती की दर (% प्रतिवर्ष) |
|---|---|---|
| 70,000 | 6 मार्च | 5 |
| 2,18,000 | 12 मार्च | 4.5 |
| 1,41,000 | 26 मार्च | 6 |
| 2,03,000 | 6 अप्रैल | 4 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

कार्यशील विवरण को दिखाते हुए 31 दिसम्बर, 2015 को बैंक के लाभ हानि खाते में उचित/आवश्यक मदें किस प्रकार प्रदर्शित की जायेगी तथा 31 दिसम्बर, 2015 को बैंक का आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

foHkkxh; [kkrs

13. विभाग पी ने विभाग एस को लागत पर 25% लाभ तथा विभाग क्यू को लागत पर 15% लाभ पर माल का विक्रय किया। विभाग एस ने विभाग पी एवं क्यू को क्रमशः विक्रय पर 20% एवं 30% लाभ पर माल का विक्रय किया। विभाग क्यू ने विभाग पी एवं एस को लागत पर क्रमशः 20% एवं 10% लाभ पर विक्रय किया।

विभागीय प्रबन्धक 10% कमीशन के अधिकारी है बशर्ते न कमाये हुये मुनाफे को विभागीय बिक्री से कम कर दिया जावे। प्रबन्धक के कमीशन को वसूलने के बाद परन्तु न कमाये गये लाभ के पहले विभागीय लाभ निम्न है :

| | |
|---|---|
| विभाग 'पी' | 90,000 |
| विभाग 'एस' | 60,000 |
| विभाग 'क्यू' | 45,000 |

वर्ष के अन्त में विभिन्न विभाग में स्टॉक निम्न है :

| | foHkkx | | |
|---|---|---|---|
| | ih ¼:0½ | ,l ¼:0½ | D;w ¼:0½ |
| पी से हस्तान्तरण | – | 18000 | 14000 |
| एस से हस्तान्तरण | 48000 | – | 38000 |
| क्यू से हस्तान्तरण | 12000 | 8000 | – |

प्रबन्धक के कमीशन लगाने के बाद सही विभागीय लाभ की गणना कीजिये।

'kk[kk [kkrs

14. 31 दिसम्बर, 2015 वर्ष के अन्त में पूना शाखा के निम्नलिखित विवरणों से मुख्य कार्यालय की पुस्तकों में शाखा खाता बनाइये :

| | ¼ : 0½ | ¼ : 0½ |
|---|---|---|
| 1 जनवरी, 2015 को शाखा का स्टॉक | – | 10,000 |
| 1 जनवरी, 2015 को शाखा के देनदार | | 4,000 |
| 31 दिसम्बर, 2015 को शाखा देनदार | | 4,900 |
| 1 जनवरी, 2015 शाखा में खुदरा रोकड़ | | 500 |
| 1 जनवरी, 2015 को शाखा में फर्नीचर | | 2,000 |
| 1 जनवरी, 2015 को पूर्वदत्त अग्नि बीमा प्रीमियम | | 150 |
| 1 जनवरी, 2015 को शाखा में अदत्त वेतन | | 100 |
| वर्ष के दौरान शाखा को माल भेजा | | 80,000 |
| वर्ष के दौरान नकद विक्रय | | 1,30,000 |
| वर्ष के दौरान उधार विक्रय | | 40,000 |
| देनदारों से प्राप्त रोकड़ | | 35,000 |
| शाखा के देनदारों द्वारा मुख्य कार्यालय को सीधे रोकड़ का भुगतान | | 2,000 |
| देनदारों को दी गयी छूट | | 100 |
| शाखा को व्यय के लिये रोकड़ भेजी : | | |
| किराया | 2,000 | |
| वेतन | 2,400 | |
| खुदरा रोकड़ | 1,000 | |
| 31 मार्च, 2016 तक बीमा | 600 | 6,000 |
| शाखा द्वारा माल वापसी | | 1,000 |
| देनदारों द्वारा माल वापसी | | 2,000 |
| 31 दिसम्बर, 2015 को स्टॉक | | 5,000 |
| शाखा द्वारा खुदरा रोकड़ खर्च | | 850 |
| फर्नीचर पर प्रति वर्ष 10% ह्रास लगाइये | | |

1200 रु0 लागत का माल आग के कारण नष्ट हो गया एवं 1000 रू0 बीमा कम्पनी से प्राप्त हुआ।



© The Institute of Chartered Accountants of India

fons'kh 'kk[kk

15. गणेश लि0 का मुख्य कार्यालय दिल्ली (भारत) एवं शाखा न्यूयार्क में है। न्यूयार्क शाखा गणेश लि0 के सम्पूर्ण विदेशी कार्य करती है। आपको न्यूयार्क शाखा अतिरिक्त सूचनाओं के साथ अपना तलपट प्रस्तुत करती है।

| | डेबिट ¼$½ | क्रेडिट ¼$½ |
|---|---|---|
| 1 अप्रैल, 2015 को स्टॉक | 300 | – |
| क्रय एवं विक्रय | 800 | 1,500 |
| विविध देनदार एवं लेनदार | 400 | 300 |
| विनियम विपत्र | 120 | 240 |
| विविध व्यय | 1,080 | – |
| बैंक शेष | 420 | – |
| दिल्ली कार्यालय खाता | – | 1,080 |
| | 3,120 | 3,120 |

विनिमय दर निम्नलिखित ली जा सकती है :

1.04.2015 को 40 रू0 प्रति US $

31.03.2016 को 42 रू0 प्रति US $

वर्ष के लिए औसत विनियम दर @ 41 प्रति US $।

31.03.2016 को दिल्ली की पुस्तकों में न्यूयार्क शाखा का 44,380 रूपया डेबिट शेष था तथा मिलान में कोई भी मदें बकाया नहीं थी।

आपको गणेश लिमिटेड की पुस्तकों में न्यूयार्क का तलपट बनाइये।

ys[kk ekudksa ij vk/kkfjr leL;k;sa

ys[kk ekud 4 vkfFkZd fpV~Bs dh frfFk ds mijkUr ?kVus okyh vkdfLedrk;sa ,oa ?kVuk;sA

16. एक कम्पनी अप्रैल से मार्च तक वित्तीय वर्ष स्वीकार करती है। कम्पनी आर्थिक चिटठा तिथि के बाद ग्राहकों से प्राप्त चैक जो 31 मार्च या उसके पूर्व के है उनको मान्यता प्रदान करती

है। वित्तीय विवरण के स्वीकार के पूर्व ''हस्तस्थ चैक खातें'' डेविट तथा ''देनदारों के खातें'' को क्रेडिट। हस्तस्थ चैक को आर्थिक चिट्ठा में रोकड़ या रोकड़ तुल्य मदों के रूप में दिखाया जाता है। समस्त हस्तस्थ चैक को बैंक में अप्रैल माह में प्रस्तुत किया जाता है एवं बैंक में जमा के पश्चात् सामान्य दशा में उसी माह में वसूल हो जाता है। कारण देते हुए बताइये कि 31 मार्च या उसके पूर्व संग्रहित चैक जो आर्थिक चिटठा की तिथि के बाद प्राप्त होते है यह समयोजन घटना है, एवं उपरोक्त तथ्यों को कम्पनी किस प्रकार प्रस्तुत करेगी?

y[kk ekud 5 vof/k gr ’k) ykHk gkfu] vof/k iwo en rFkk y[kkdu uhfr;k e ifjorZu ½

17. बेला लि0 के पास 20,000 वर्ग मीटर खाली भूमि है जिसका भविश्य में प्रयोग करने का कोई इरादा नहीं है। कम्पनी अपने खराब तरलता के कारण जमीन को बेचने का इरादा किया है तथा उक्त भूमि के विक्रय पर 10 लाख रूपये का लाभ है। फैक्ट्ररी में आग लगने से प्रयोग न होने वाले शेड का एक भाग नष्ट हो गया जिसका मूल्य 8 लाख रू0 था। हानि को भूमि विक्रय के लाभ से अपलिखित किया गया तथा 2 लाख रू0 को सम्पत्ति के विक्रय से शुद्ध लाभ के रूप में प्रदर्शित किया गया। क्या आप उपरोक्त प्रदर्शित व्यवहार से सहमत हैं? अगर नहीं तो अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।

y[kk ekud 11 fons’kh fofu;e njk ifjorZu dk iHkko ½

18- ¼v½ कम्पनी के पास विदेशी सरकार के साथ एक इंजीनियरिंग ठेका है। कार्य विदेश में किया जाता है तथा भुगतान डालर में प्राप्त होता है। वर्ष 2015 में कार्य समाप्त हो गया तथा कम्पनी की पुस्तकों में समस्त ठेका मूल्य का उचित प्रकार से लेखा ठेका पूर्ण होने की तिथि के विनियम दर से किया गया। विदेशी सरकार ने तदर्थ विदेशी मुद्रा संकट के कारण 40 करोड़ रूपये के भुगतान को नहीं किया। वर्ष के अन्त में न वसूल हुये 40 करोड़ रूपये को यदि वर्ष के अन्त में विनिमय दर से परिवर्तन करने पर 40.50 करोड़ रूपये होता है। कम्पनी निम्नलिखित लेखा नीति का अनुसरण करती है।

''विदेशी मुद्रा लेनदेन के सम्बन्ध में चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्व का मूल्यांकन वर्ष के अन्त की दर पर किया जाता है। जब कभी विनियम अन्तर से शुद्ध हानि होती है तो उसे लाभ हानि खाते से चार्ज किया जाता है लेकिन लेखा नीति की संकीर्ण विचाराधारा की दृष्टि से



© The Institute of Chartered Accountants of India

विनिमय दरों में उच्चावन के कारण विनिमय अन्तर से शुद्ध लाभ होता है तो उसे ध्यान नहीं देना चाहिये।''

उपरोक्त की शुद्धता के विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।

## ys[kk ekud 12 ljdkjh vuqnku gsrq ys[kkadu

¼c½ डी0 लिमिटेड ने 01.04.2012 को एक मशीन का अधिग्रहण 20,00,000 रू0 में किया। जिसका उपयोगी जीवन 5 वर्ष है। कम्पनी ने 01.04.2012 को 80% लागत के अनुदान के लिये आवेदन किया। अनुदान स्वीकृत पत्र नवम्बर 2015 को प्राप्त हुआ। कम्पनी का स्थायी सम्पत्तियों का खाता वित्तीय वर्ष 2015–16 में निम्न क्रेडिट शेष दिखाता है :

| विवरण | ¼:0½ |
|---|---|
| मशीन (वास्तविक मूल्य) | 20,00,000 |
| घटाइये : संचयी ह्रास (2012–13 से 2014–15 तक सीधी रेखा पद्धति से) | 12,00,000 |
| | 800,000 |
| घटाइये : प्राप्त अनुदान | (16,00,000) |
| शेष | (800,000) |

वर्ष 2015–16 में कम्पनी सम्पत्ति को किस प्रकार दिखायेगी? क्या ह्रास चार्ज कर सकती है या 2015–16 में ऋणात्मक ह्रास क्या पूँजी संचय में 8,00,000 रू. क्रेडिट कर सकती है?

## ys[kk ekud 16 _.k ysus dh ykxr

19. ¼v½ कम्पनी होल्डिंग विनियोग की ब्याज लागत का पूंजीकरण करती है एवं विनियोग की लागत में प्रतिवर्ष जोड़ती है। इसलिये अण्डर स्टैण्डिंग ब्याज लागत को लाभ हानि खाते में दिखाया। संबंधित लेखा मानक के आधार पर कम्पनी द्वारा किये गये लेखांकन व्यवहार पर टिप्पणी कीजिये।

## ys[kk ekud 19 iV~Vk

¼c½ वार्षिक पट्टा किराया = 80,000 रू0 प्रत्येक वर्ष के अन्त में

| | |
|---|---|
| पट्टा अवधि | = 5 वर्ष |
| गारण्टी शुदा अवशेष मूल्य | = 28,000 रू0 |
| पट्टे के प्रारम्भ में पट्टे का उचित मूल्य | = 3,00,000 रू0 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

पट्टे में सन्निहित (Implicit) ब्याज की दर 12.6% है। 12.6% पर वर्तमान मूल्य तत्व प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ष के अन्त में क्रमशः 0.89, 0.79, 0.7, 0.622, 0.522 है।

पट्टाधारी के पुस्तकों में वित्तीय पट्टा मानते हुए जर्नल प्रविष्टि कीजिये।

### y[kk ekud 26 ver lEifRr;k

20. ¼v½ के0 लिमिटेड ने उत्पाद X के उत्पादन के लिये एक परियोजना अक्टूबर, 2015 में चालू की। कम्पनी ने 31 मार्च, 2016 तक शोध एवं विकास व्यय के रूप में 40 लाख रूपये व्यय किये। बाजार दशाओं के आधार पर, प्रबन्धन ने निर्णय लिया कि अगले 10 वर्षों तक उत्पाद का उत्पादन एवं विक्रय नहीं किया जायेगा। इसलिये प्रबन्धन चाहता है कि भविष्य के वर्षों में आस्थिगत व्यय के रूप में अपलिखित किया जाये।

लागू होने वाले लेखा मानक के आधार पर कम्पनी को सलाह दीजिये।

### y[kk ekud 29 vk;ktu lfnX/k nkf;Ro rFkk lfnX/k lEifRr;k

¼c½ कम्पनी ने निश्चित माल की वारण्टी के लिए आयोजन, कोष नहीं बनाया है। यह स्वीकार करते हुए कि कम्पनी वारण्टी लागत को मूल प्रर्तिकर्ता से दावा करेगी। टिप्पणी/विचार दीजिये।

## iLrkfor mRrj@ldr

1- lk>nkjk e jkdM d forj.k dk fn[kkr g, fooj.k i=

| | yunkj | c dk _.k | v | c | l |
|---|---|---|---|---|---|
| 2016 | | | | | |
| 30 जून<br>शेष आगे लाये<br>रोकड़ शेष घटाकर खर्च के लिये प्रावधान (10,800–5,400) | <br>30,000<br>5,400 | <br>10,000<br>– | <br>76,000<br>– | <br>48,000<br>– | <br>36,000<br>– |
| अदत्त शेष 5 जलाई<br>प्रथम किस्त 25,200 | 24,600<br>23,600 | 10,000<br>1,600 | 76,000<br>– | 48,000<br>– | 36,000<br>– |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पूर्ण निस्तारण पर प्राप्त छूट<br>घटाइयें : वसूली खाते में हस्तान्तरण | 1,000<br>1,000 | 8,400 | 76,000 | 48,000 | 36,000 |
| अगस्त 30<br>द्वितीय किस्त 60,000 रू0 (W.N.-2) | – | 8,400 | 32,640 | 4,640 | 14,320 |
| अदत्त शेष | – | NIL | 43,360 | 43,360 | 21,680 |
| सितम्बर 15<br>वसूल राशि 80,000<br>जोड़ियेः व्यय के आयोजन के बाद शेष<br>1,400<br>81,400 | | | 32,560 | 32,560 | 16,280 |
| वसूली की हानि के कारण बकाया राशि 2:2:1 | | | 10,800 | 10,800 | 5,400 |

fØ;kRed fVIif.k;k
mPpÙke lcf/kr iath vk/kkj

| | | v | c | l |
|---|---|---|---|---|
| 1 | वर्तमान पूँजी | 76,000 | 48,000 | 36,000 |
| 2 | लाभ अनुपात | 2 | 2 | 1 |
| 3 | लाभ के प्रत्येक हिस्से के लिए पूंजी (1÷2) | 38,000 | 24,000 | 36,000 |
| 4 | ब की पूँजी को आनुपातिक आधार पर लिया उसकी पूँजी न्यूनतम आधार पर | 48,000 | 48,000 | 24,000 |
| 5 | पूँजी आधिक्य (1–4) | 28,000 | NIL | 12,000 |
| 6 | लाभ अनुपात | 2 | – | 1 |
| 7 | लाभ के प्रत्येक हिस्से के लिए आधिक्य पूंजी (5÷6) | 14,000 | – | 12,000 |
| 8 | अ एवं स के बीच अनुपातिक पूँजी स के | 24,000 | – | 12,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | पूँजी आधार पर | | | |
| 9 | स की अतिरिक्त पूँजी के ऊपर अ की पूँजी का आधिक्य (5–8) | 4,000 | – | – |
| 10 | आधिक्य पूंजी का शेष (5–9) | 24,000 | – | 12,000 |
| 11 | वितरण क्रम<br>प्रथम 4,000 रूपया (2:0:0)<br>अगला 36,000 रूपया (2:0:1)<br>समाप्त 40,000 रूपया (2:2:1) | | | |

¼2½ f}rh; fdLr dk forj.k

| | yunkj | v | c | l |
|---|---|---|---|---|
| प्रथम 8,400 रूपया | 8,400 | – | – | – |
| अगला 4,000 रूपया (2:0:0) | – | 4,000 | – | – |
| अगला 36,000 रूपया (2:0:1) | – | 24,000 | – | 12,000 |
| भोष 11,600 रूपया (2:2:1) | – | 4,640 | 4,640 | 2,320 |
| 60,000 | 8,400 | 32,640 | 4,640 | 14,320 |

tuly i:fof"B;k

2- ohvkjd , .M dEiyh d iLrdk e

| fooj.k | MfcV | dfMV |
|---|---|---|



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| ख्याति खाता | डेबिट | 2,00,000 | – |
| भवन खाता | डेबिट | 4,00,000 | – |
| म ाीनरी खाता | डेबिट | 9,00,000 | – |
| फर्नीचर खाता | डेबिट | 80,000 | – |
| स्टॉक खाता | डेबिट | 4,80,000 | – |
| देनदार खाता | डेबिट | 6,40,000 | – |
| बैंक में रोकड खाता | डेबिट | 1,20,000 | – |
| हस्तस्थ रोकड खाता | डेबिट | 80,000 | – |
| राज एण्ड कम्पनी से बकाया खाता | डेबिट | 4,00,000 | – |
| To लेनदार खाता | | – | 4,80,000 |
| To बैंक ऋण खाता | | – | 3,20,000 |
| To विनोद का पूंजी खाता | | – | 16,35,000 |
| To राज का पूंजी खाता | | – | 8,65,000 |
| (विनोद एण्ड कम्पनी की सम्पत्तियां एवं दायित्वों को लेने पर) | | | |
| रूयाति खाता | डेबिट | 1,64,000 | |
| म ाीनरी खाता | डेबिट | 8,00,000 | |
| फर्नीचर खाता | डेबिट | 24,000 | |
| स्टॉक खाता | डेबिट | 5,60,000 | |
| देनदार खाता | डेबिट | 8,00,000 | |
| बैंक में रोकड खाता | डेबिट | 3,60,000 | |
| हस्तस्थ रोकड खाता | डेबिट | 40,000 | |
| अग्रिम खाता | डेबिट | 2,40,000 | |
| To लेनदार खाता | | – | 4,64,000 |
| To विनोद एण्ड कम्पनी को बकाया खाता | | – | 4,00,000 |
| To राज का पूंजी खाता | | | 14,16,000 |
| To कुमार का पूंजी खाता | | | 7,08,000 |
| (राज एण्ड कम्पनी की सम्पत्तियां एवं दायित्वों को लेने पर) | | | |
| विनोद का पूंजी खाता | डेबिट | 1,82,000 | |
| राज का पूंजी खाता | डेबिट | 1,21,334 | |
| कुमार का पूंजी खाता | डेबिट | 60,666 | |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| To ख्याति खाता<br>(ख्याति को अपलिखित करने पर) | | 3,64,000 |
| बैंक खाता डेबिट<br>To विनोद का पूंजी खाता<br>To कुमार का पूंजी खाता<br>(आनुपातिक पूंजी बनाये रखने के लिये विनोद एवं कुमार नकद लाये) | 7,39,666 | <br>6,77,000<br>62,666 |
| राज का पूंजी खाता डेबिट<br>To बैंक खाता<br>(राज द्वारा आधिक्य पूंजी को निकाल लिया) | 7,39,666 | <br>7,39,666 |
| विनोद एण्ड कम्पनी को बकाया डेबिट<br>To राज एण्ड कम्पनी से बकाया खाता<br>(विनोद एण्ड कम्पनी एवं राज एण्ड कम्पनी द्वारा आपसी समझौते द्वारा ऋण को समाप्त किया गया) | 4,00,000 | <br>4,00,000 |

ch0vkj0dls0 ,.M dEiuh dk 31 ekpZ] 2016 dks vkfFkZd fpV~Bk

| nkf;Ro | | lEifRr;k | |
|---|---|---|---|
| पूंजी: | | भवन | 4,00,000 |
| विनोद | 21,30,000 | मशीनरी | 17,00,000 |
| राज | 14,20,000 | फर्नीचर | 1,04,000 |
| कुमार | 7,10,000 | स्टॉक | 10,40,000 |
| लेनदार | 9,44,000 | देनदार | 14,40,000 |
| बैंक ऋण | 3,20,000 | अग्रिम | 2,40,000 |
| | | बैंक में रोकड़ | 4,80,000 |
| | | हस्तस्थ रोकड़ | 1,20,000 |
| | 55,24,000 | | 55,24,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

fØ;kRed fVIif.k;k¡

1- Ø; izfrQy dh x.kuk dks fn[kkrs gq, fooj.k i=

| fooj.k | | foukn ,.M dEiuh | jkt ,.M dEiuh |
|---|---|---|---|
| (अ) | सम्पत्तियाँ: | | |
| | ख्याति | 2,00,000 | 1,64,000 |
| | भवन | 4,00,000 | — |
| | मशीनरी | 9,00,000 | 8,00,000 |
| | फर्नीचर | 80,000 | 24,000 |
| | स्टॉक | 4,80,000 | 5,60,000 |
| | देनदार | 6,40,000 | 8,00,000 |
| | बैंक में रोकड़ | 1,20,000 | 3,60,000 |
| | हस्तस्थ रोकड़ | 80,000 | 40,000 |
| | राज एण्ड कम्पनी से बकाया | 4,00,000 | — |
| | अग्रिम | — | 2,40,000 |
| | | 33,00,000 | 29,88,000 |
| (ब) | दायित्व– | | |
| | लेनदार | 4,80,000 | 4,64,000 |
| | विनोद एण्ड कम्पनी का बकाया | — | 4,00,000 |
| | बैंक ऋण | 3,20,000 | — |
| | | 8,00,000 | 8,64,000 |
| (स) | क्रय प्रतिफल (अ–ब) | 25,00,000 | 21,24,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

2- vkuqikfrd iwath dh x.kuk dks fn[kkrs gq, fooj.k i=

| fooj.k | |
|---|---|
| (अ) मेसर्स बी0आर0के0 एण्ड कम्पनी (25,00,000+21,24,000) | 46,24,000 |
| (ब) घटाइयेः ख्याति समायोजन | (3,64,000) |
| (स) फर्म की कुल पूंजी | 42,60,000 |
| (द) विनोद की आनुपातिक पूंजी (42,60,000 X 3/6) | 21,30,000 |
| (य) राज की आनुपातिक पूंजी (42,60,000 X 2/6) | 14,20,000 |
| (र) कुमार का आनुपातिक पूंजी (42,60,000 X 1/6) | 7,10,000 |
| | 42,60,000 |

3- iwath lek;kstu dh x.kuk dks fn[kkrs gq, fooj.k i=

| fooj.k | fouksn | jkt | dqekj | dqy |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| विनोद एण्ड कम्पनी से शेष हस्तान्तरण (W.N.-4) | 16,35,000 | 8,65,000 | – | 25,00,000 |
| राज एण्ड कम्पनी से शेष हस्तान्तरण | – | 14,16,000 | 7,08,000 | 21,24,000 |
| | 16,35,000 | 22,81,000 | 7,08,000 | 46,24,000 |
| घटाईयेः ख्याति को अपलिखित करने पर (3:2:1) अनुपात में | (1,82,000) | (1,21,334) | (60,666) | (3,64,000) |
| (अ) वर्तमान में पूंजी | 14,53,000 | 21,59,666 | 6,47,334 | 42,60,000 |
| (ब) आनुपातिक पूंजी | 21,30,000 | 14,20,000 | 7,10,000 | 42,60,000 |
| राशि जो लाई गई (भुगतान करने पर) (अ–ब) | 6,77,000 | 7,39,666 | 62,666 | – |

4- iwath [kkrs ¼fouksn ,.M dEiuh ds [kkrs esa½

| विवरण | विनोद | राज | विवरण | विनोद | राज |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| To पूंजी खाता मे0 बी0आर0के0 | 16,35,000 | 8,65,000 | By शेष आगे लाये | 9,60,000 | 6,40,000 |
| | | | By संचय (3:1) | 1,50,000 | 50,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| कम्पनी (हस्तान्तरण) | | | By ख्याति (3:1)<br>By वसूली खाता* लाभ (3:1) | 1,50,000<br>3,75,000 | 50,000<br>1,25,000 |
| | 16,35,000 | 8,65,000 | | 16,35,000 | 8,65,000 |

(*) भवन के लिये 2,00,000 रूपये (,400,000–2,00,000) एवं मशीनरी 3,00,000 रूपया (9,00,000–6,00,000)

5 iw¡th [kkrk ¼jkt ,.M dEiuh d¢ iqLrdk¢a e¢a½

| विवरण | राज | कुमार | विवरण | राज | कुमार |
|---|---|---|---|---|---|
| To बी0आर0के0 एण्ड कम्पनी (हस्तान्तरण) | 14,16,000 | 7,08,000 | By शेष आगे लाये<br>By संचय (2:1)<br>By ख्याति (2:1)<br>By वसूली खाता* लाभ (2:1) | 8,00,000<br>4,00,000<br>1,09,334<br>1,06,666 | 4,00,000<br>2,00,000<br>54,666<br>53,334 |
| | 14,16,000 | 7,08,000 | | 14,16,000 | 7,08,000 |

(*) मशीनरी के लिए 1,60,000 रूपया (8,00,000–6,40,000)

¼3½ olwyh [kkrk

| विवरण | | | विवरण | | |
|---|---|---|---|---|---|
| To ख्याति | – | 10,000 | By संदिग्ध ऋणों के लिये | | |
| To भूमि | – | 20,000 | आयोजन | – | 2,000 |
| To भवन | | 1,10,000 | By व्यापारिक लेनदार | | 96,000 |
| To मशीनरी | | 50,000 | By देय बिल | | 14,000 |
| To मोटर कार | | 28,000 | By बैंक अधिविकर्ष | | 60,000 |
| To फर्नीचर | | 12,000 | By मेसर्स 'अ' का ऋण | | 15,000 |
| To विनियोग | | 18,000 | By अ ब स लि0 | | 1,95,500 |
| To खुले औजार | | 7,000 | (क्रय मूल्य) | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| To रहतिया | | 18,000 | By अ का पूंजी खाता | | 13,000 |
| To प्राप्य बिल | | 20,000 | (विनियोग) | | |
| To देनदार | | 40,000 | BY रोकड़ खाता | | |
| To 'अ' का पूंजी खाता (मिसेस | | 15,000 | देनदार | 20,000 | |
| अ का ऋण) | | | मोटर कार | 24,000 | |
| To रोकड़ खाता : | | | फर्नीचर | 4000 | |
| लेनदार | 94,000 | | खुले औजार | 1,000 | 49,000 |
| वसूली खर्च | 500 | 94,500 | | | |
| To वसूली का लाभ हस्तान्तरण | | | | | |
| अ का पूंजी खाता | | | | | |
| ब का पूंजी खाता | 1,000 | | | | |
| स का पूंजी खाता | 667 | | | | |
| | 333 | 2,000 | | | |
| | | 4,44,500 | | | 4,44,500 |

, ch lh fyfeVM [kkrk

| fooj.k | | fooj.k | |
|---|---|---|---|
| To वसूली खाता | 1,95,500 | By रोकड़ खाता<br>By ए0बी0सी0 लिमिटेड के अंश | 75,500<br>1,20000 |
| | 1,95,500 | | 1,95,500 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

## lk{kknkj dk iwath [kkrk

| fooj.k | v | Ck | l | fooj.k | v | c | l |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| To लाभ हानि खाता | 6,000 | 4,000 | 2,000 | By शेष आगे लाये | 70,000 | 80,000 | 10,000 |
| To वसूली खाता | 13,000 | – | – | By सी का ऋण खाता | – | – | 33000 |
| To सी का चालू खाता | – | – | 56,000 | By सामान्य संचय | 9,000 | 6,000 | 3,000 |
| To एबीसी लिमिटेड के अंश | 60,000 | 40,000 | 20,000 | By विनियोग उच्चावचन कोष | 2,000 | 1333 | 667 |
| To रोकड़ खाता | 18,000 | 44,000 | – | By वसूली खाता | 1,000 | 667 | 333 |
| | | | | By वसूली खाता(मिसेस अ का ऋण) | 15,000 | – | – |
| | | | | By रोकड़ खाता | – | – | 31,000 |
| | 97,000 | 88,000 | 78,000 | | 97,000 | 88,000 | 78,000 |

## l dk pkyw [kkrk

| fooj.k | | fooj.k | |
|---|---|---|---|
| To शेष आगे लाये | 56000 | By स का पूंजी खाता हस्तान्तरण | 56000 |
| | 56000 | | 56000 |

## v0c0l0 fy0 esa va'k [kkrk

| fooj.k | | fooj.k | |
|---|---|---|---|
| To अ0ब0स0 लि0 खाता | 1,20,000 | By अ का पूंजी खाता | 60,000 |
| | | By ब का पूंजी खाता | 40,000 |
| | | By स का पूंजी खाता | 20,000 |
| | 1,20,000 | | 1,20,000 |

## jksdM+ [kkrk

| fooj.k | | fooj.k | |
|---|---|---|---|
| To शेष आगे लाये | 1,000 | By वसूली खाता (दायित्व एवं व्यय) | 94,500 |
| To अ0ब0स0 लि0 | 75,500 | By अ का पूंजी खाता | 18,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| To वसूली खाता (सम्पत्ति की वसूली) | 49000 | By ब का पूंजी खाता | 44,000 |
| To स का पूंजी खाता | 31,000 | | |
| | 1,56,500 | | 1,56,500 |

ukV % विनियोग उच्चावचन कोष खाते को वसूली खाते में हस्तान्तरण कर सकते हैं।

## ¼4½ ¼v½ lk>snkjksa dk fuxZfer va'kksa dh la[;k

| | |
|---|---|
| सम्पत्तियां : मशीनरी 1,40,000 रूपया + स्कन्ध 1,37,400 रूपया + व्यापरिक प्राप्य 1,24,000 रूपया + बैंक 1,00,000 रूपया | 5,01,400 |
| घटाइयेः दायित्व स्वीकार किया | (1,69,400) |
| ली गई शुद्ध सम्पत्तियाँ (क्रय प्रतिफल) | 3,32,000 |

| निर्गमित अंशों की श्रेणियां | मोहित | नील | ओम | योग |
|---|---|---|---|---|
| 10% पूर्वाधिकार अंश 10 रू0 वाले (पूंजी पर ब्याज प्रतिधारण अधिकार) | 1,36,000 | 90,000 | 46,000 | 2,72,000 |
| शेष समता अंश 10 रू0 प्रति अंश (323000–272000) (लाभालाभ अनुपात में निर्गमन) | 30,000 | 18,000 | 12,000 | 60,000 |
| | 1,66,000 | 1,08,000 | 58,000 | 3,32,000 |

## ¼c½ lk>snkjksa dk iwath [kkrk

| विवरण | मोहित | नील | ओम | विवरण | मोहित | नील | ओम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| To आहरण | 50,000 | 46,000 | 34,000 | By शेष आगे लाये | 1,36,000 | 90,000 | 46,000 |
| To 10% पूर्वाधिकार अंशपूंजी | 1,36,000 | 90,000 | 46,000 | By पूंजी पर ब्याज | 13,600 | 9,000 | 4,600 |
| To समता अंश | 30,000 | 18,000 | 12,000 | By वर्ष के लिये लाभ (5:3:2) W.N.-1 | 1,10,700 | 66,420 | 44,280 |
| To बैंक–अतिरिक्त आहरण (W.N.-2) | 54,300 | 17,420 | 6,880 | By मशीनरी खाता (*) | 10,000 | 6,000 | 4000 |
| | 2,70,300 | 1,71,420 | 98,880 | | 2,70,300 | 1,71,420 | 98,880 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

*मशीन के हस्तान्तरण पर लाभ = 1,40,000 रूपया – (2,00,000–80,000) = 20,000 रू. को (5:3:2) में

(स) एम एन ओ लिमिटेड का 31 मार्च, 2016 को आर्थिक चिट्ठा (अधिग्रहण के बाद)

| | | ukV u0 | |
|---|---|---|---|
| I | lerk ,oa nkf;Ro | | |
| | ¼1½ va'k/kkfj;ksa dk dks"k | | |
| | अंश पूंजी | 1 | 3,32,000 |
| | ¼2½ pkyw nkf;Ro | | |
| | व्यापारिक देय | | 1,69,400 |
| | ;ksx | | 5,01,400 |
| II | lEifRr;ka | | |
| | ¼1½ xSj&pkyw lEifRr;ka | | |
| | स्थायी सम्पत्तियां | | |
| | दृश्य सम्पत्तियां–मशीनरी | | 1,40,000 |
| | ¼2½ pkyw lEifRr;ka | | |
| | (अ) स्कन्ध | | 1,37,400 |
| | (ब) व्यापारिक प्राप्य | | 1,24,000 |
| | (स) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | | 1,00,000 |
| | ;ksx | | 5,01,400 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

# i’ui=&5 mPp y[kkdu

## y[kk dh fVIi.kh

| | fooj.k | |
|---|---|---|
| 1. | अंश पूंजी | |
| | अधिकृत अंश पूंजी | 20,00,000 |
| | निर्गमित, अभिदत्त, प्रदत्त पूंजी | |
| | 6,000 समता अंश प्रति 10 रू0 | 60000 |
| | 27200 10% पूर्वाधिकार अंश पूंजी 10 रू0 प्रति अंश | 2,72,000 |
| | (रोकड़ के अतिरिक्त सभी उपरोक्त अंशों का निर्गमन क्रय मूल्य के लिए साझेदारी के अधिग्रहण के लिए) | 3]32]000 |

fØ;kRed fVIif.k;k %

1- 31 ekpl dk lekIr gkus oky o"kZ d fy, ykHk gkfu fu;ktu [kkrk

| fooj.k | | | fooj.k | |
|---|---|---|---|---|
| To पूंजी पर ब्याज | | | By शुद्ध लाभ (दिया है) | 2,48,600 |
| एम (136000X10%) | 13,600 | | | |
| एन (90000X10%) | 9,000 | | | |
| ओ (46000X10%) | 4,600 | 27,200 | | |
| To पूंजी में लाभ का हस्तान्तरण | | | | |
| लाभ अनुपात में | | | | |
| एम | 1,10,700 | | | |
| एन | 66,420 | 2,21,400 | | |
| ओ | 44,280 | | | |
| ;kx | | 2,48,600 | | 2,48,600 |

2- jkdM e vfrfjDr vkgj.k dk in’ku djr g, fooj.k i=

¼v½ vkgj.k d fy; miyC/k dk"k



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | |
|---|---|
| साझेदारों का कुल आहरण (दिया है) | 1,30,000 |
| जोड़िये : आहरण के लिये पुनः कोष उपलब्ध किया (1,78,600–1,00,000) | 78,600 |
| | 2,08,600 |
| घटाइये : पूंजी पर ब्याज | (27,200) |
| अतिरिक्त आहरण के लिए उपलब्ध राशि | 1,81,400 |

## ¼c½ vfrfjDr vkgj.k dk fu/kkZj.k

| विवरण | एम | एन | ओ |
|---|---|---|---|
| उपरोक्त विवरण के अनुसार 181400 रूपया (लाभालाभ अनुपात में) | 90,700 | 54,420 | 36,280 |
| जोड़िये : ब्याज | 13,600 | 9,000 | 4,600 |
| | 1,04,300 | 63,420 | 40,880 |
| घटाइये : पहले से निकाला | (50,000) | (46,000) | (34,000) |
| अतिरिक्त आहरण | 54,300 | 17,420 | 6,880 |

## ¼5½ dkfudk fy0 dh iqLrdksa esa tuZy ys[kk

| विवरण | डेबिट | क्रेडिट |
|---|---|---|
| प्रथम वर्ष के अन्त में | | |
| कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट<br>To कर्मचारी स्टाक विकल्प अदत्त खाता<br>(क्षतिपूर्ति व्यय को ESOP के रूप में मान्यता दी गयी) | 8,60,625 | 8,60,625 |
| लाभ हानि खाता डेबिट<br>To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता<br>(वर्ष का व्यय लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण) | 8,60,625 | 8,60,625 |
| द्वितीय वर्ष के अन्त में | | |
| कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट | 8,60,625 | |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| To कर्मचारी स्टाक विकल्प अदत्त खाता<br><br>(ESOP के सम्बन्ध में द्वितीय वर्ष में व्ययों को मान्यता) | | 8,60,625 |
| लाभ हानि खाता डेबिट<br>To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता<br>वर्ष के दौरान व्यय को लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण) | 8,60,625 | <br>8,60,625 |
| तृतीय वर्ष के अन्त में | | |
| कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट<br>To कर्मचारी स्टाक विकल्प अदत्त खाता<br>(ESOP के सम्बन्ध में व्यय को तृतीय वर्ष में मान्यता प्राप्त) | 21,03,750 | <br>21,03,750 |
| लाभ हानि खाता डेबिट<br>To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता<br>(वर्ष के व्यय को लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण) | 21,03,750 | <br>21,03,750 |

fØ;kRed fVIif.k;k¡

(अ) योजना स्वीकार करने वाले सम्भावित कर्मचारियों की संख्या

= 2500 X .08 X .85 X .90 X .90 = 1377

(ब) प्रत्येक कर्मचारी को स्वीकार किये गये विकल्प = 500

(स) प्रत्येक विकल्प का उचित मूल्य = 5 रूपया

(द) विकल्प का कुल उचित मूल्य सम्भावित स्वामित्व का अधिकार (अXबXस) = 34,42,500रू0

(य) खर्च के रूप में मान्यता प्राप्त विकल्प का उचित मूल्य प्रथम वर्ष

(34,42,500 / 4) = 8,60,625 रू0

द्वितीय वर्ष (34,42,500 X (2 / 4)– 860625) = 8,60,625 रूपया

तृतीय वर्ष [(1,530 कर्मचारी X 500 विकल्प X 5 रूपया)–(8,60,625 + 8,60,625)]



© The Institute of Chartered Accountants of India

= 21,03,750 रूपया

तीसरे वर्ष में यदि स्वामित्व का अधिकार मिलने की अवधि का पुनःनिर्धारण किया गया है तो इस सम्बन्ध में कर्मचारी स्टाक विकल्प योजना के सभी बचे हुये दायित्व को तृतीय वर्ष के अन्त में मान्यता प्रदान की जायेगी। चौथे वर्ष के समंक को ध्यान नहीं रखा जायेगा

¼6½ tuZy y[k

| | fooj.k | | |
|---|---|---|---|
| 1. | बैंक खाता डेबिट<br>To 11% पूर्वाधिकार अंश आवेदन एवं आवंटन खाता<br>(पूर्वाधिकार अंशों के आवेदन पर प्राप्त राशि) | 10,00,000 | <br>10,00,000 |
| 2. | 11% पूर्वाधिकार अंश आवेदन एवं आवंटन खाता डेबिट<br>To 11% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता<br>(एक लाख पूर्वाधिकार अंशों का आवंटन) | 10,00,000 | <br>10,00,000 |
| 3. | सामान्य संचय खाता डेबिट<br>To पूंजी शोधन संचय खाता<br>(अंशों के पुनः क्रय के लिये पूंजी शोधन संचय का निर्माण) | 30,00,000 | <br>30,00,000 |
| 4. | समता अंश पूंजी खाता डेबिट<br>प्रतिभूति प्रीमियम खाता डेबिट<br>सामान्य संचय खाता डेबिट<br>To समता अंशधारी/समता अंश पुनः क्रय खाता<br>(पुनः क्रय पर समता अंशधारियों को देय राशि) | 40,00,000<br>16,00,000<br>32,00,000 | <br><br><br>88,00,000 |
| 5. | समता अंशधारी/समता अंश पुनः क्रय खाता डेबिट<br>To बैंक खाता<br>(अंशों के पुनः वापसी के लिये भुगतान किया गया) | 88,00,000 | <br>88,00,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

# i'ui=&5 mPp y[kkdu

## fØ;kRed fVIif.k;k

1- IkekU; Ip; [kkrs Is i;kx gkus okyh jkf'k dh x.kuk

| fooj.k | |
|---|---|
| अंशों पुनः क्रय के लिये राशि का भुगतान (4,00,000 अंश X 22) | 88,00,000 |
| घटाइये : पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन से आगम (1,00,000 अंश X10 रू0) | (10,00,000) |
| घटाइये : प्रतिभूति प्रीमियम खाते का उपयोग | (16,00,000) |
| सामान्य संचय खाते से शेष राशि का प्रयोग किया गया | 62,00,000 |
| *अंशों के पुनः क्रय के लिये धारा 68 का प्रयोग 32,00,000<br>CRR में हस्तान्तरण के लिये धारा 69 का प्रयोग 30,00,000<br>62,00,000 | |

2- iwath 'kks/ku Ip; [kkrs esa gLrkUrfjr dh x;h jkf'k

| | |
|---|---|
| अंशों के पुनः क्रस का अंकित मूल्य (4,00,000 अंश X 10 रूपया) | 40,00,000 |
| घटाइये : उक्त पुनः क्रय के लिये निर्गमित पूर्वाधिकार अंशों का अंकित मूल्य (100000 अंश X10) | (10,00,000) |
| पूंजी शोधन संचय (CRR) में हंस्तान्तरित राशि | 30,00,000 |

fVIi.kh %& यह माना गया है कि 4,00,000 समता अंशों का पुनः क्रय कुल समता अंशों के 25% सीमा के अन्दर क्रय किया गया है।

¼7½ IkE;k fy0 dh iqLrdks esa tuZy y[kk

| दिनांक | विवरण | | राशि (डेबिट) | राशि (क्रेडिट) |
|---|---|---|---|---|
| 01.05.2015 | बैंक खाता | डेबिट | 1,50,00,000 | |
| | To ऋणपत्र आवेदन खाता | | | 1,50,00,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (1,50,000 ऋणपत्र के @ 100 प्रति अंश आवेदन पर राशि प्राप्त ) | | |
| 01.06.2015 | ऋणपत्र आवेदन खाता डेबिट<br>अभिगोपक खाता डेबिट<br>To 15% ऋणपत्र खाता<br>(1,50,000 ऋणपत्र आवेदन कर्ताओं को तथा 50,000 ऋणपत्र अमिगोपकों को आवंटन) | 1,50,00,000<br>5000000 | <br><br>2,00,00,000 |
| | अभिगोपन कमीशन खाता डेबिट<br>To अभिगोपक खाता<br>(अभिगोपकों को @ 2% की दर से 2,00,00,000 पर कमीशन देय) | 40,0000 | <br>4,00,000 |
| | बैंक खाता डेबिट<br>To अभिगोपक खाता<br>(अभिगोपकों से खातो के निस्तारण के बदले भुगतान प्राप्त) | 46,00,000 | <br>46,00,000 |
| 30.09.2015 | ऋणपत्र ब्याज खाता डेबिट<br>To बैंक खाता<br>(2,00,00,000 रू0 पर @ 15% की दर से 4 माह का ब्याज भुगतान किया) | 10,00,000 | <br>10,00,000 |
| 30.01.2015 | 15% ऋणपत्र खाता डेबिट<br>To समता अंश पूंजी खाता<br>To प्रतिभूति प्रीमियम खाता<br>(60% ऋणपत्र को 10 रू0 अंकित मूल्य वाले अंश को 60 रू0 प्रति दर से परिवर्तन किया) | 1,20,00,000 | <br>20,00,000<br>1,00,00,000 |
| 31.03.2016 | ऋणपत्र ब्याज खाता डेबिट<br>To बैंक खाता<br>(आधे वर्ष के लिये ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान किया) | 7,50,000 | <br>7,50,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

fØ;kRed fVIif.k;k¡&

31 ekpZ 2016 dks vk/kk o"kZ ds fy;s _.ki=ksa ij C;kt dh x.kuk

80,00,000 पर 6 माह के लिए @ 15% = 6,00,000 रूपया

1,20,00,000 पर 1 माह के लिये @ 15% = 1,50,000 रूपया

7,50,000 रूपया

¼8½ ^v^ fyfeVsM dh iqLrdksa esa

olwyh [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To भवन | 3,40,000 | By व्यापारिक देय | 3,20,000 |
| To मशीनरी | 6,40,000 | By ‘ब’ लिमिटेड | 12,10,000 |
| To स्कन्ध | 2,20,000 | By समता अंशधारी (हानि) | 76,000 |
| To व्यापारिक प्राप्य | 2,60,000 | | |
| To ख्याति | 1,30,000 | | |
| To बैंक (खर्च) | 16,000 | | |
| | 16,06,000 | | 16,06,000 |

cSad [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To शेष आगे लाये | 1,36,000 | By वसूली खाता (खर्च) | 16,000 |
| To ‘ब’ लिमिटेड | 6,00,000 | By 10% ऋणपत्र | 4,00,000 |
| | | By ऋण | 1,60,000 |
| | | By समता अंशधारी | 1,60,000 |
| | 7,36,000 | | 7,36,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

## 10% _.ki= [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To बैंक | 4,00,000 | By शेष आगे लाये | 4,00,000 |
| | 4,00,000 | | 4,00,000 |

## _.k [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To बैंक | 1,60,000 | By शेष आगे लाये | 1,60,000 |
| | 1,60,000 | | 1,60,000 |

## vi'k fuxZeu 0;; [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To शेष आगे लाये | 34,000 | By समता अंशधारी | 34,000 |
| | 34,000 | | 34,000 |

## lkekU; lap; [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To समता अंशधारी | 80,000 | By शेष आगे लाये | 80,000 |
| | 80,000 | | 80,000 |

## c fyfeVsM [kkrk

© The Institute of Chartered Accountants of India

## i’ui=&5 mPp y[kkdu

| | | | |
|---|---|---|---|
| To वसूली खाता | 12,10,000 | By बैंक खाता<br>By ‘ब’ लिमिटेड में समता अंश<br>(4880 अंश 125 प्रति) | 6,00,000<br>6,10,000 |
| | 12,10,000 | | 12,10,000 |

## c fyfeVsM es lerk v’k [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To ब लि0 | 6,10,000 | By समता अंशधारी | 6,10,000 |
| | 6,10,000 | | 6,10,000 |

## lerk v’k/kkjh [kkrk

| | | | |
|---|---|---|---|
| To वसूली खाता<br>To अंश निर्गमन व्यय<br>To ब लि0 में समता अंश<br>To बैंक खाता | 76,000<br>34,000<br>6,10,000<br>1,60,000 | By समता अंश खाता<br>By सामान्य संचय | 8,00,000<br>80,000 |
| | 8,80,000 | | 8,80,000 |

## c fyfeVsM
## 1 vizSy] 2016 dk vkfFkZd fpV~Bk ¼lkjka’k½*

| | विवरण | नोट्स | |
|---|---|---|---|
| 1. | lerk ,oa nkf;Ro | | |
| | v’k/kkjh dks"k | | |
| (अ) | | 1 | 4,88,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ब) | अंश पूंजी | 2 | 1,07,000 |
| 2. | संचय एवं आधिक्य | | |
| अ | pkyw nkf;Ro | 3 | 2,80,000 |
| ब | व्यापारिक देय | | 6,00,000 |
| | बैंक अधिविकर्ष | | 14,75,000 |
| | ;ksx | | |
| 1. | lEifRr;k | | |
| अ | xSj&pkyw lEifRr;k | | |
| | स्थायी सम्पत्तियां | | |
| | दृश्य सम्पत्तियां | 4 | 8,82,000 |
| 2. | अदृश्य सम्पत्तियां | 5 | 2,16,000 |
| अ | pkyw lEifRr;k | | |
| ब | स्कन्ध | 6 | 1,83,000 |
| | व्यापारिक प्राप्य | 7 | 1,94,000 |
| | | | 14]75]000 |

[kkrks ij fVIif.k;k&

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | va'k iwath | | |
| | समता अंश पूंजी | | |
| | 4,880 समता अंश 100 रूपया प्रति अंश (रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के लिये अंश निर्गमन) | | 4,88,000 |
| | ;ksx | | 4]88]000 |
| 2. | lap; ,oa vkf/kD; ¼lkjka'k½ | | |
| | प्रतिभूति प्रीमियम | | 1,22,000 |
| | लाभ हानि खाता | — | — |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| | घटाइयें : न वसूल लाभ | (15,000) | (15,000) |
| | ;kx | | 1]07]000 |
| 3. | 0;kikfjd ns; | | |
| | प्रारम्भिक शेष | 3,20,000 | |
| | घटाइयें : एकीकरण के अन्तर्गत कम्पनी के आपसी व्यवहार का निरस्तीकरण | (40,000) | 2]80]000 |
| 4. | n'; lEifRr;k | | |
| | भवन | | 3,06,000 |
| | मशीनरी | | 5,76,000 |
| | ;kx | | 8]82]000 |
| 5. | vn'; lEifRr;k | | |
| | ख्याति | | 2,16,000 |
| 6. | LdU/k | | |
| | प्रारम्भिक शेष | 1,98,000 | |
| | घटाइयें : एकीकरण के कारण लाभ का निरस्तीकरण | (15,000) | 1]83]000 |
| 7. | 0;kikfjd ikl; | | |
| | प्रारम्भिक शेष (2,60,000X0.90) | 2,34,000 | |
| | घटाइयें: एकीकरण के कारण अन्तर कम्पनी व्यवहार का निरस्तीकरण | (40,000) | 1]94]000 |

fØ;kRed fVIif.k;k %

| | |
|---|---|
| 1- [;kfr dk eY;kdu<br>औसत लाभ | 1,24,400<br>(70,400) |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | |
|---|---|
| घटाइयेः 88,000 का 8%<br>अधिलाभ विधि<br>ख्याति का मूल्य = 54,000 X 4 | |
| 2- Ø; ifrQy dk fy;k 'k) lEifRr;k | 54,000 |
| W.N-1 के आधार पर ख्याति का मूल्य | 21,6000 |
| भवन<br>मशीनरी<br>स्कन्ध<br>व्यापारिक प्राप्य (2,60,000–2,6000)<br><br>कुल सम्पत्तियाँ | 2,16,000<br>3,06,000<br>5,76,000<br>1,98,000<br>2,34,000 |
| घटाइयें : व्यापारिक देय<br>शुद्ध सम्पत्तियाँ | 15,30,000<br>(3,20,000) |
| | 12,10,000 |

इसमें से 6,00,000 रू0 का नकद भुगतान तथा शेष (1,21,000–6,00,000) = 6,10,000 रूपया के 125 रू. वाले अंश। इस प्रकार 6,10,000÷125 = 4,880 अंशों का आवंटन किया गया।

| | |
|---|---|
| 3- LdU/k ij u olwy gqvk ykHk<br>अ लि0 के स्कन्ध में 1,00,000 रू0 का माल शामिल है जो कि ब लि0 द्वारा लाभ पर बेचा गया। न वसूल हुआ लाभ उक्त स्कन्ध पर<br>$\frac{40,000}{1,60,000} X 1,00,000 = 25,000$ | 25,000 |
| ब लिमिटेड ने पुस्तक मूल्य से 10% कम पर अ लि0 की सम्पत्ति को क्रय किया। न वसूल हुये लाभ का समायोजन स्कन्ध में करने की आवश्यकता है<br>i.e $1,00,000 X \frac{10}{100}$ | (10,000) |
| न वसूल हुआ लाभ की राशि | 15,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

¼9½ vkbl fy0 dh iLrdk e tuy y[k

| | विवरण | | डेबिट | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| i. | 8% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता (प्रति 100 रूपया) | डेबिट | 4,00,000 | |
| | To 8% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता (प्रति 80 रूपया) | | | 3,20,000 |
| | To पूंजी कमी खाता | | | 80,000 |
| | (स्वीकृत योजना के तहत पूंर्वाधिकर अंश पूंजी को 100 रू0 से घटाकर 80 रू0 करने पर) | | | |
| ii. | समता अंश पूंजी खाता (10 प्रति) | डेबिट | 10,00,000 | |
| | To समता अंश पूंजी खाता (प्रति 2 रूपया) | | | 2,00,000 |
| | To पूंजी कमी खाता | | | 8,00,000 |
| | (10 रू0 वाले समता अंश को 2 रू0 तक कम किया गया) | | | |
| iii. | पूंजी कमी खाता | डेबिट | 32,000 | |
| | To समता अंश पूंजी खाता (2 रूपया प्रति) | | | 32,000 |
| | (पूर्वाधिकार अंशधारी के बकाया एक वर्ष के लाभांश के लिये 16,000 अंश 2 रू0 वाले का निर्गमन) | | | |
| iv. | 6% ऋणपत्र खाता | डेबिट | 3,00,000 | |
| | To स्वकीय सम्पत्ति खाता | | | 3,00,000 |
| | (दावो का आंशिक निस्तारण स्वकीय सम्पत्ति के हस्तान्तरण से किया गया) | | | |
| v. | उपार्जित ऋणपत्र ब्याज खाता | डेबिट | 24,000 | |
| | To बैंक खाता | | | 24,000 |
| | (ऋणपत्र पर उपार्जित ब्याज का भुगतान किया गया) | | | |
| vi. | स्वकीय सम्पत्ति खाता | डेबिट | 1,50,000 | |
| | To पूंजी कमी खाता | | | 1,50,000 |
| | (स्वकीय सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि) | | | |
| vii. | बैंक खाता | डेबिट | 2,50,000 | |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| | To व्यापार विनियोग खाता | | 2,00,000 |
| | To पूंजी कमी खाता | | 50,000 |
| | (व्यापारिक विनियोग के विक्रय पर लाभ) | | |
| viii. | संचालक का ऋण खाता डेबिट | 3,00,000 | |
| | To समता अंशपूंजी खाता (2 रू0 प्रति) | | 75,000 |
| | To पूंजी कमी खाता | | 2,25,000 |
| | (संचालक के ऋण का 75% समाप्त किया एवं शेष को 2 रू0 वाले 37,500 समता अंशों के निर्गमन द्वारा निस्तारित किया गया) | | |
| ix. | पूंजी कमी खाता डेबिट | 9,75,000 | |
| | To लाभ हानि खाता | | 5,25,000 |
| | To व्यापार प्राप्य खाता | | 1,80,000 |
| | To व्यापार स्कन्ध खाता | | 2,40,000 |
| | To बैंक खाता | | 30,000 |
| | (पूंजी कमी खाते से विभिन्न सम्पत्तियां, ठेके के निरस्तीकरण पर दण्ड शुल्क, लाभ हानि खाते का डेबिट शेष को अपलिखित किया गया) | | |
| x. | पूंजी कमी खाता डेबिट | 2,98,000 | |
| | To पूंजी संचय खाता | | 2,98,000 |
| | (योजना के अनुसार शेष राशि को पूंजी संचय खाते में हस्तान्तरित किया गया) | | |

## vkbl fy0 dk vkfFkd&fpVBk ¼deh vk/kkj ij½

| विवरण | नोट्स नं0 | |
|---|---|---|
| lerk ,oa nkf;Ro | | |
| 1. अंशधारियों का कोष | | |

© The Institute of Chartered Accountants of India

## i'ui=&5 mPp y[kkdu

| | | |
|---|---|---|
| (अ) अंशपूंजी | 1 | 6,27,000 |
| (ब) संचय एवं आधिक्य | 2 | 2,98,000 |
| 2- x\j&pkyw nkf;Ro | | |
| दीर्घ–कालीन उधार | 3 | 1,00,000 |
| 3- pkyw nkf;Ro | | |
| (अ) व्यापारिक देय | | 1,01,000 |
| योग | | 11,26,000 |
| lEifRr;k | | |
| 1. गैर–चालू सम्पत्तियाँ | | |
| (अ) स्थायी सम्पत्तियां | | |
| दृश्य सम्पत्तियां | 4 | 6,00,000 |
| 2- pkyw lEifRr;k | | |
| (अ) स्कन्ध | | 60,000 |
| (ब) व्यापारिक प्राप्य | | 2,70,000 |
| (स) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य | 5 | 1,96,000 |
| योग | | 11,26,000 |

y[kk dh fVIif.k;k

| | |
|---|---|
| 1- iwath lap; | |
| 1,53,500 समता अंश 2 रू0 प्रति अंश | 3,07,000 |
| (इसमें से रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल के लिये 53,500 अंशों का निर्गमन किया गया) | |
| 4,000 8% पूर्णप्रदत्त पूर्वाधिकार अंश 80 रू0 प्रति अंश | 3,20,000 |
| योग | 6,27,000 |
| 2- lap; ,oa nkf;Ro | |
| पूंजी संचय | 2,98,000 |
| 3- nh?kZdkyhu m/kkj | |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | |
|---|---|
| सुरक्षित | |
| 6% ऋणपत्र | 1,00,000 |
| 4- n'; lEifRr;k | |
| स्वकीय सम्पत्तियां | 4,00,000 |
| प्लाट एवं मशीनरी | 2,00,000 |
| योग | 6,00,000 |
| 5- jkdM ,o jkdM rqY; | |
| बैंक में रोकड़ (2,50,000–24,000–30,000) | 1,96,000 |

¼10½ ¼1½ fuLrkjd dk fooj.k [kkrk

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| To सम्पत्तियां वसूली | 10,00,000 | By निस्तारक का पारिश्रमिक | | |
| To 14,500 समता अंशो पर 2 रू0 प्रति अंश याचना राशि प्राप्त | 29,000 | 11,60,000 रूपये का 2.5% | 29,000 | |
| | | 25,000 रूपये का 2% | 500 | |
| | | 6,56,373 का 2% (W.N 3) | 13,127 | 42,627 |
| | | By समापन व्यय | | 5,000 |
| | | By ऋणपत्र जिसका समस्त सम्पत्तियों पर चार्ज | | 3,00,000 |
| | | By पूर्वाधिकार अंश | | 25,000 |
| | | By असुरक्षित लेनदार | | 6,56,373 |
| | 10,29,000 | | | 10,29,000 |

*कुल सम्पत्तियां वसूली = 10,00,000+1,60,000 = 11,60,000 रूपया

(ii) भुगतान किये गये असुरक्षित लेनदारों का कुल असुरक्षित लेनदारों पर प्रतिशत

$$= \frac{6,56,373}{9,15,000} X 100 = 71.73\%$$

© The Institute of Chartered Accountants of India

fØ;kRed fVIif.k;k¡

1. अंशतः सुरक्षित लेनदारों का असुरक्षित भाग = 1,75,000–1,60,000 = 15,000
2. कुल असुरक्षित लेनदार = 9,00,000+15,000 (W.N.- 1) = 9,15,000
3. असुरक्षित लेनदारों पर भुगतान किया गया निस्तारक का पारिश्रमिक

   पूर्वाधिकार लेनदारों एवं निस्तारक का पारिश्रमिक को शामिल करते हुए समस्त भुगतान के बाद असुरक्षित लेनदारों को भुगतान के लिये उपलब्ध रोकड़ = 6,69,500 रूपया

   असुरक्षित लेनदारों पर निस्तारक का पारिश्रमिक

   = 6,69,500 X 2/102 = 13,127 रूपया या 6,69,500 X 2/100 = 13,127 रूपया

¼11½ Qkel ch& vkj0,0

chekdrkZ dk uke& yky bU'kksjsUl dEiuh fyfeVsM
iwathdj.k lwp;k ,oa vkbZ0vkj0Mh0,0 ds lkFk iwathdj.k dk fnukad
31 ekpZ 2016 ds fy;s vkxe [kkrk

| fooj.k | vuqlwph | jkf'k |
|---|---|---|
| अर्जित प्रीमियम शुद्ध | 1 | 21,70,000 |
| विक्रय पर/विनियोगों के शोधन लाभ हानि | | 22,000 |
| अन्य | | – |
| ब्याज, लाभांश एवं किराया (सकल) | | 1,28,500 |
| योग (अ) | | 23,20,500 |
| किये गये दावे (शुद्ध) | 2 | 13,90,000 |
| कमीशन | 3 | 3,04,000 |
| बीमा से सम्बन्धित परिचालन व्यय | 4 | 5,00,000 |
| योग (ब) | | 21,94,000 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | |
|---|---|---|
| बीमा व्यवसाय से परिचालन लाभ/हानि | | 1,26,500 |
| vuqlwph&1 ¼vftZr 'kq) izhfe;e½ | | |
| प्रीमियम प्राप्त | | 22,40,000 |
| घटाइयें: असमाप्त जोखिम संचय में परिवर्तन के लिये समायोजन (W.N.) | | 70,000 |
| कुल अर्जित प्रीमियम | | 21,70,000 |
| vuqlwph&2 ¼fd;s x;s 'kq) nkos½ | | |
| दावे भुगतान | | 12,80,000 |
| जोड़िये : दावों के सम्बन्ध में कानूनी व्यय | | 60,000 |
| | | 13,40,000 |
| जोड़िये : 31 मार्च 2016 को अदत्त दावे | | 1,80,000 |
| | | 15,20,000 |
| घटाईयें : 31 मार्च 2015 को अदत्त दावे | | 1,30,000 |
| | | 13,90,000 |
| vuqlwph&3 ¼deh'ku½ | | |
| कमीशन भुगतान | | 3,04,000 |
| vuqlwph&4 ¼chek O;olk; ls lEcfU/kr ifjpkyu O;;½ | | |
| प्रबन्ध के व्यय (5,60,000–60,000) | | 5,00,000 |

fØ;kRed fVIi.kh

vlekIr tksf[ke ds fy;s lap; esa ifjorZu dh x.kuk

| | | |
|---|---|---|
| 31 मार्च, 2016 को : | | |
| असमाप्त जोखिम के लिये संचय | 11,20,000 | |
| अतिरिक्त संचय | 1,50,000 | 12,70,000 |
| घटाईये : 31 मार्च, 2015 के अनुसार असमाप्त जोखिम के लिये संचय | 10,00,000 | |
| 31 मार्च, 2015 पर अतिरिक्त संचय | 2,00,000 | 12,00,000 |
| | | 70,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

ukV½ ब्याज एवं लाभांश को सकल मूल्य पर आगम खाते में दिखाया। बीमा कम्पनी द्वारा उपरोक्त पर आयकर को आगम खाते में शामिल नहीं किया जायेगा जैसा यह लाभ हानि का हिस्सा है।

¼12½ 31-12-2015 dks lekIr gksus okys o"kZ ds fy, ykHk gkfu [kkrk ¼,d lkjka'k½

| | |
|---|---|
| 01.01.2015 को बिलो भुनाने पर छूट खाते से हस्तान्तरण | 4,170 |
| जोड़िये : 2015 वर्ष के लिये छूट | 42,956 |
| | 47,126 |
| घटाईये : भुनाये हुये बिलों पर छूट वर्ष 2016 में आगे ले गये | 6,637 |
| | 40,489 |

31-12-2015 dks vkfFkZd fpV~Bk ¼lkjka'k½

| | |
|---|---|
| अन्य दायित्व एवं आयोजन | |
| भुनाये हुये बिलों पर छूट | 6,637 |

fØ;kRed fVIif.k;k¡ ½

31-12-2015 dks Hkquk;s gq;s fcyksa dh dVkSrh dk fooj.k i=

| देय तिथि | राशि | 31.12.2015 के बाद दिनों की संख्या | छूट की दर (%) | असमाप्त अवधि के लिये छूट |
|---|---|---|---|---|
| 6 मार्च | 70,000 | 65 | 5 | 623 |
| 12 मार्च | 2,18,000 | 71 | 4.5 | 1,908 |
| 26 मार्च | 1,41,000 | 85 | 6 | 1,970 |
| 6 अप्रैल | 2,03,000 | 96 | 4 | 2,136 |
| भुनाये हुये बिलों पर कुल छूट को आगे ले गये | | | | 6,637 |

¼13½ foHkkxh; Hk.Mkj ds lgh ykHkksa dh x.kuk

| | foHkkx | foHkkx | foHkkx |
|---|---|---|---|



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | ih | ,l | D;w |
|---|---|---|---|
| प्रबन्धक के कमीशन के बाद लाभ | 90,000 | 60,000 | 45,000 |
| जोड़िये : प्रबन्धक का कमीशन (1/9) | 10,000 | 6,667 | 5,000 |
| | 1,00,000 | 66,667 | 50,000 |
| घटाईये : स्टॉक पर न वसूल हुआ लाभ (W.N.) | (5,426) | (21,000) | (2,727) |
| प्रबन्ध के कमीशन के पूर्व लाभ | 94,574 | 45,667 | 47,273 |
| घटाईये : प्रबन्धक का कमीशन 10% | 9,457 | 4,567 | 4,727 |
| प्रबन्ध के कमीशन के बाद सही लाभ | 85,117 | 41,100 | 42,546 |

fØ;kRed fVIif.k;k

| | foHkkx ¼ih½ | foHkkx ¼,l½ | foHkkx ¼D;w½ | ;ksx |
|---|---|---|---|---|
| न वसूल हुआ लाभ | | | | |
| विभाग (पी) | – | 25/125X18,000=3,600 | 15/115X14,000=1,826 | 5,426 |
| विभाग (एस) | 20/100X48,000=9,600 | – | 30/100X38,000=11,400 | 21,000 |
| विभाग (क्यू) | 20/120X12,000=2,000 | 10/110X8,000=727 | – | 2,727 |

¼14½ iwuk 'kk[kk [kkrk

| विवरण | | | विवरण | | |
|---|---|---|---|---|---|
| To प्रारम्भिक शेष :– | | | By प्रारम्भिक शेष | – | |
| स्टॉक | | 10,000 | अदत्त वेतन | | 100 |
| देनदार | | 4,000 | By मार्ग प्रेषण : | | |
| खुदरा रोकड़ | | 500 | नकद विक्रय | 1,30,000 | |
| फर्नीचर | | 2,000 | देनदारों से रोकड़ प्राप्त | 35,000 | |
| पूर्वदत्त बीमा | | 150 | मुख्य कार्यालय को देनदारों द्वारा सीधे रोकड़ भुगतान | 2,000 | |
| To शाखा को माल भेजा | | 80,000 | बीमा कम्पनी से प्राप्त | 1,000 | 1,68,000 |
| To बैंक (व्यय) | | | By शाखा को माल भेजा | | 1,000 |

© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| किराया | 2,000 | | (शाखा द्वारा मुख्य कार्यालय को माल वापसी) | | |
| वेतन | 2,400 | | By अन्तिम शेष | | |
| खुदरा रोकड़ | 1,000 | | रहतिया | | 5,000 |
| बीमा | 600 | 6,000 | खुदरा रोकड़ | | 650 |
| | | | देनदार | | 4,900 |
| To शुद्ध लाभ | | 78,950 | फर्नीचर (2,000–10% ह्रास) | | 1,800 |
| | | | पूर्वदत्त बीमा (600X¼) | | 150 |
| | | 1,81,600 | | | 1,81,600 |

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

| | |
|---|---|
| अन्त में खुदरा रोकड़ के शेष की गणना : | |
| प्रारम्भिक शेष | 500 |
| जोड़िये : मुख्य कार्यालय द्वारा रोकड़ प्राप्त | 1,000 |
| शाखा के पास कुल रोकड़ | 1,500 |
| घटाईये : शाखा द्वारा खर्च किया | 850 |
| अन्तिम शेष | 650 |

¼15½ x.k'k fy0 dh iLrdk e

31 ekp 2016 dk U;;kd 'kk[kk dk ryiV ¼:i;k e½

| | प्रति US $ की परिवर्तन दर | डेबिट | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 01.04.2015 को रहतिया | 40 | 12,000 | – |
| क्रय एवं विक्रय | 41 | 32,800 | 61,500 |
| विविध देनदार एवं लेनदार | 42 | 16,800 | 12,600 |
| विनिमय विपत्र | 42 | 5,040 | 10,080 |



© The Institute of Chartered Accountants of India

| | | | |
|---|---|---|---|
| विविध व्यय | 41 | 44,280 | — |
| बैंक शेष | 42 | 17,640 | — |
| दिल्ली कार्यालय खाता | — | — | 44,380 |
| | | 1,28,560 | 1,28,560 |

16- यदि चैक 31 मार्च या उसके पूर्व के हो किन्तु चैक 31 मार्च के बाद प्राप्त हुये हों तो वह 31 मार्च को किसी भी दशा में विद्यमान नहीं समझे जायेंगे। अतः अभिलेख चिट्ठे के पश्चात् चैक को संग्रह के समायोजित होने वाली घटना नहीं है। इसके लिये हस्तस्थ चैक को लेखा मानक 4 की आवश्यकताओं के अनुसार मान्यता देना सम्मिलित नहीं है। इसके अलावा आर्थिक चिट्ठे की तिथि के पश्चात् चैको का संग्रह उपक्रम की वित्तीय स्थिति को प्रभावित प्रतिबद्धता या कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रदर्शित नहीं करता है तथा इसलिये इस संग्रहण को आर्थिक चिट्ठा में प्रदर्शित करना आवश्यक नहीं है।

17 लेखा मानक 5 ''अवधि के लिये शुद्ध लाभ या हानि, अवधि पूर्व मदें तथा लेखांकन नीतियों में परिवर्तन'' के पैरा 8 के अनुसार असाधारण मदो को लाभ हानि विवरण में लाभ हानि के हिस्से के रूप में दिखाना चाहिए। प्रत्येक आसाधारण मद की प्रकृति व रकम को लाभ हानि विवरण में अलग अलग दिखाई जानी चाहिये ताकि चालू वर्ष के शुद्ध लाभ हानि पर उसके प्रभाव को स्पष्टतः देखा या मापा जा सके।

दिये गये केस में समापन की समस्या एवं अग्नि से हानि के कारण भूमि का विक्रय कम्पनी के लिए एक साधारण घटना का निर्माण नहीं करती है। उपरोक्त घटना व्यापार में साधारण घटना से अलग है। दोनों घटनाये महत्वपूर्ण प्रकृति की है। जो बार बार या जल्दी सम्भावित नहीं होती है। इसलिये ये आसाधारण मदें हैं।

इसलिये इस केस में, अग्नि से होने वाली हानि को भूमि के विक्रय से प्राप्त शुद्ध लाभ से से अपलिखित करके दिखाना सही नहीं है। भूमि से प्राप्त लाभ एवं अग्नि से होने वाली हानि को अलग से लाभ हानि विवरण में दिखाना चाहिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

18 ¼v½ दिये गये केस में, 40 करोड़ रूपये की वसूली संदिग्ध या अनिश्चित नहीं है। यह केवल अस्थायी स्थगित है। इसलिये इसमें परिवर्तन के लिये वर्ष के अन्त के विनिमय दर का प्रयोग होना चाहिये। लेखा प्रमाप–11 में स्पष्ट बताया गया है कि शुद्ध अन्तर को लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण किया जायेगा। इसलिये, विमियम अन्त चाहे पक्ष में या विपक्ष, दोनों पर वर्ष के अन्त में विचार किया जायेगा। लाभ को चाहे नजरअंदाज किया जाये किंतु हानि को लेखांकन किया जाये।

¼c½ उपरोक्त खातों से पता चलता है कि कम्पनी ने कमी पद्धति का अनुशीलन सरकारी अनुदान के लिये पालन किया है। इसलिये, 16,00,000 रू0 में से 8,00,000 रू0 को (मशीन खाते का शेष) मशीन खाते में क्रेडिट होना चाहिये।

शेष 8,00,000 लाभ हानि खाते में क्रेडिट कर सकते हैं। पूर्व के वर्षो में पहले से ही 12,00,000 रूपया सम्पत्ति के ह्रास के रूप में डेविट किया जा चुका है और अब 8,00,000 रू0 लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण होगा। अब अंशतः लाभ वसूली होगी। इसलिये अब 2015–16 एवं 2016–17 में कोई भी ह्रास का प्रावधान की आवश्यकता नहीं अब ह्रास राशि शून्य है।

लेखा प्रमाप–12 के आधार पर ह्रास योग्य सम्पत्तियां के सम्बन्ध में सरकारी अनुदान एवं उसके किसी भाग को पूंजी संचय में हस्तान्तरण को स्वीकृत नहीं दी जाती है।

19 ¼v½ लेखा मानक बोर्ड (ASB) का विचार है कि सम्पत्तियों में विनियोग के अतिरिक्त विनियोग लेखा प्रमाप 16 'ऋण लेने की लागत' में योग्यता प्राप्त सम्पत्ति नहीं है। इसलिये, उक्त विनियोग धारण के ब्याज की लागत का पूंजीकरण नहीं किया जायेगा। इसलिये केवल सम्पत्तियों के विनियोग पर व्याज को पूंजीकृत किया जाता है जो विनियोग सम्पत्ति की परिभाषा की योग्यता रखती है। यह आवश्यक है कि योग्य सम्पत्ति जो अपने अपेक्षित प्रयोग या विक्रय हेतु तैयार होने के लिये पर्याप्त समय लेती है। यह भी आवश्यक है कि लेखा मानक 16 में योग्य सम्पत्ति के लिये आवश्यक है कि वे सम्पत्तियों के निर्माण में विनियोग या अधिग्रहण या निरस्तीकरण में पूंजीकरण के लिये लेखा 16 के पैराग्राफ 17 एवं 18 को भी साथ में लागू करें



© The Institute of Chartered Accountants of India

¼c½ iVVk ysus okys dh iqLrdksa esa tuZy ys[kk dhft;s&

| | | |
|---|---|---|
| सम्पत्ति खाता डेबिट | 2,99,776 | |
| To पट्टाकर्ता खाता | | 2,99,776 |
| (सम्पत्ति एवं दायित्व के लिये वित्तीय पट्टा की मान्यता प्राप्त) | | |

fØ;kRed fVIif.k;k¡

| o"kZ | iV~Vk Hkqxrku | NwV rRo ¼12-6%½ | orZeku ewY; |
|---|---|---|---|
| 1 | 80,000 | 0.89 | 71,200 |
| 2 | 80,000 | 0.79 | 63,200 |
| 3 | 80,000 | 0.70 | 56,000 |
| 4 | 80,000 | 0.622 | 49,760 |
| 5 | 80,000 | 0.552 | 44,160 |
| 5 | 28,000 (GRV) | 0.552 | 15,456 |
| | | | 2]99]776 |

20 ¼v½ लेखा मानक 26 की धारा 41 के अनुसार (अमूर्त परिसम्पत्तियों) के निर्माण शोध पर हुये खर्च को तब ही खर्च की मान्यता दी जानी चाहिये जब वह खर्च किया जाता है। कोई भी अमूर्त सम्पत्ति जो विकास के द्वारा बनी है या पाई गयी है तब तक अमूर्त परिसम्पत्ति नहीं मानी जाती है जब तक कम्पनी यह प्रदर्शित कर सके कि सवंर्धित परिसम्पत्ति धारा 44 लेखा मानक 26 में दिये गये सभी विशिश्ट गुणों को रखती है। किसी भी अमूर्त परिसम्पत्तियाँ (विकास से उत्पन्न) की संभावना नहीं है, जिससे भविष्य में कोई भी आर्थिक लाभ की सम्भावना नहीं है। उसे अमूर्त सम्पत्ति के रूप में मान्यता नहीं

© The Institute of Chartered Accountants of India

मिलनी चाहिये। यदि वह धारा 87 की व्याख्या के अनुरूप नहीं है। इसलिये, प्रबन्धक इस केस में खर्च को आने वाले वर्षों में समाप्त/अपलिखित नहीं कर सकता है।

इसलिये 40 लाख रूपये का खर्च जो कि शोध और विकास पर खर्च हुये हैं। चालू वर्ष के अन्त 31 मार्च, 2016 में समाप्त कर देना चाहिये।

¼c½ लेखा मानक 29 आयोजन, आकस्मिक दायित्व तथा आकस्मिक सम्पत्तियों के पैरा 46 के अनुसार जहां कुछ या सभी व्ययों के निपटान की आवश्यकता है एक प्रावधान अन्य पक्ष द्वारा प्रतिपूर्ति होना अनुमानित है तथा केवल यह लगभग निश्चित है कि प्रतिपूर्ति प्राप्त हो जायेगी। यदि उपक्रम दायित्व का निपटान करता है तो प्रतिपूर्ति को एक पृथक सम्पत्ति के रूप में माना जाना चाहिये। प्रतिपूर्ति हेतु मान्य राशि प्रावधान की राशि से अधिक नहीं होनी चाहिये।

प्रश्न से प्रदर्शित होता है कि कम्पनी ने वारण्टी के लिये कोई प्रावधान नहीं बनाया है। यह मानते हुये कि जब वस्तु के लिये वारण्टी लागत का दावा किया जायेगा तो मूल पूर्तिकर्ता से वारण्टी लागत का दावा किया जायेगा। यद्यपि, लेखा मानक 29 के अनुसार वारण्टी के लिये प्रावधान अवश्य बनाया जाना चाहिये तथा राशि को प्रतिपूर्ति के रूप में दावा करते हुए पृथक रूप से सम्पत्ति के रूप में वित्तीय विवरण में दिखाना चाहिये। दायित्व की कमी करके नहीं दिखानी चाहियें। उपरोक्त विचार के अनुसार वारण्टी के सम्बन्ध में कम्पनी द्वारा अपनाये गये लेखांकन व्यवहार सही नहीं है।



© The Institute of Chartered Accountants of India